RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 08 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 20 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

- राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल का एकीकरण डिजिटली करने पर मिला छत्तीसगढ़ को उत्कृष्ट पुरस्कार
- कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार ने किया पुरस्कृत

छत्तीसगढ़ को मिला एक और राष्ट्रीय पुरस्कार, सीएम भूपेश के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ गढ़ रहा नये आयाम, मिल रही सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में अनेक क्षेत्रों में नवाचार किए जा रहे हैं। वहीं हितग्राहियों को त्वरित लाभ दिलाने की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है, जिनमें से योजनाओं का डिजिटलीकरण मुख्य रूप से शामिल है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत आर्थिक फसल बीमा पोर्टलों का एकीकरण छत्तीसगढ़ में डिजिटल भू-अभिलेख डाटाबेस (भुइयां) में अत्यंत कम समय में किया गया है। इस उपलब्धि के लिए भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ को उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किया है।

गौरतलब है कि 19 एवं 20 अक्टूबर 2022 को केरल के कोच्चि में आठवीं राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन हो रहा है। अधिवेशन के पहले दिन छत्तीसगढ़ को उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2022 से राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल का एकीकरण छत्तीसगढ़ के डिजिटल भू-अभिलेख डाटाबेस भुइयां में सीमित समय में सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर दिया गया है। छत्तीसगढ़ की ओर से उत्कृष्ट पुरस्कार को विशेष सचिव एवं संचालक कृषि छत्तीसगढ़ शासन डॉ. अय्याज फक्कीर तम्बोली तथा संयुक्त संचालक कृषि, संचालनालय कृषि छत्तीसगढ़ बी.के. मिश्रा ने ग्रहण किया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल का एकीकरण प्रदेश के डिजिटल भू-अभिलेख डेटाबेस (भुइयां) से होने से कृषकों की भूमि विवरण संबंधित जानकारी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल में भुइयां पोर्टल से सत्यापन उपरांत ही इंद्राज की जा सकेगी। इससे कृषकों के सहीं खसरा नंबर रकबा तथा सही ग्राम की जानकारी पोर्टल पर इंद्राज होने से फसल बीमा आवरण तथा दावा भुगतान की कार्यवाही सुगमतापूर्वक पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित होगी।

खास खबर

गोली लगने से संदिग्ध परिस्थिति में डीएसपी की मौत, एसओजी विंग में थे तैनात

पटियाला (एजेंसी)। पटियाला के नाभा में डीएसपी गगनदीप भुल्लर (34) की संदिग्ध हालात में गोली लगने से मौत हो गई। मौत की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। गोली 32 बोर की रिवाल्वर से लगी है। नाभा के डीएसपी दविंदर अत्री ने बताया कि अभी जांच चल रही है। इसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। अभी कुछ भी कहना मुश्किल है।

बताया जा रहा है कि डीएसपी गगनदीप भुल्लर पटियाला स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) विंग में तैनात थे। वह नाभा के रहने वाले थे। मामा हरजीत सिंह ने बताया कि गगनदीप की अभी शादी नहीं हुई थी। वह घर में अकेले थे जबकि उनकी मां लुधियाना गई हुई थीं। गगनदीप के गनमैन ने करीब 10 बजे उन्हें फोन कर सूचना दी कि साहब की गोली लगने से मौत हो गई है।

पटियाला जिले के नाभा में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) में तैनात डीएसपी गगनदीप भुल्लर की उनके घर पर गोली लगने से मौत हो गई। हम मामले में आगे की जांच कर रहे हैं और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। घटना में इस्तेमाल हुई रिवॉल्वर की जांच की जा रही है।

भारत पहुंचे कोरोना के नए वैरिएंट बीएफ.7 का फेस्टिवल सीजन में खौफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमिक्रॉन के नए सब-वेरिएंट बीए.5.1.7 और बीएफ.7 को कोविड-19 का सबसे नया स्ट्रेन माना जा रहा है। भारत में भी बीएफ.7 का एक मामला सामने आ चुका है। ऐसे में एक्सपर्ट्स का कहना है कि फेस्टिव सीजन में जरूरी है कि लोग खास सावधानियां बरतें। इन नए वेरिएंट्स को काफी संक्रामक माना जा रहा है और दिवाली के दौरान कोरोना की नई लहर आने को लेकर चिंता जताई जा रही है।

कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया को ही बदल कर रख दिया है। भारत में बीते कुछ महीनों से जहां लोगों ने यह मान लिया था कि अब कोरोना महामारी पूरी तरह के खत्म हो चुकी है लेकिन कोरोना ने फिर से दस्तक दे दी है। भारत समेत पूरी दुनिया में कोरोना के दो नए वैरिएंट सामने आए हैं जो ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट हैं। इन नए सब-वैरिएंट्स के नाम बीए 5.1.7 और बीएफ.7 है. इन नए वैरिएंट्स को काफी संक्रामक माना जा रहा है और त्योहार के दौरान कोरोना के मामले बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

तेजी से फैल रहा है बीए.5.1.7 और बीएफ.7

ओमिक्रॉन के इन दोनो वैरिएंट्स की संक्रामता दर काफी अधिक है. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ये नए वैरिएंट्स व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को आसानी से चकमा दे सकते हैं और पूरी तरह से वैक्सीनेटेड लोगों को भी ये संक्रमण हो सकता है। इन नए वैरिएंट्स में, कुछ वायरल कण ही किसी व्यक्ति को संक्रमित करने के लिए काफी हैं। इसका मतलब है कि बाकी सभी वायरस की तुलना में इस वायरस के थोड़े से ही संपर्क में आने से आप भी संक्रमित हो सकते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओमिक्रॉन बीएफ.7 को लेकर ये आशंका जताई जा रही है कि यह वैरिएंट पहले से मौजूद वैरिएंट को रिप्लेस कर देगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बीएफ.7 वैरिएंट का इंफेक्शन रेट काफी ज्यादा हाई है। ओमिक्रॉन और इसके सब-वैरिएंट के लक्षण काफी ज्यादा हल्के हैं और इनसे घबराने की कोई जरूरत नहीं है लेकिन जो लोग हार्ट डिजीज, किडनी डिजीज और लिवर डिजीज की समस्याओं से जूझ रहे हैं उनमें इसके लक्षण गंभीर नजर आ सकते है। ओमिक्रॉन के सबसे कॉमन लक्षणों में लगातार खांसी, सुनने में दिक्कत, छाती में दर्द, कंपकंपी लगना व स्मेल में बदलाव शामिल है।

क्या है ओमिक्रॉन बीएफ.7?

ओमिक्रॉन का नया सब-वैरिएंट बीएफ.7 सबसे पहले नॉर्थवेस्ट चीन के मंगोलिया ऑटोनोमस रीजन में पाया गया था और यही सब-वैरिएंट चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार है। ओमिक्रॉन का ये नया सब-वैरिएंट काफी तेजी से फैल रहा है और अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम में भी इसके मामले पाए जा रहे हैं। इस नए ओमिक्रॉन बीएफ.7 को 'ओमिक्रोन स्पॉन' के रूप में भी जाना जाता है। भारत में भी ओमिक्रॉन बीएफ.7 का एक मामला दर्ज किया गया है। बीएफ.7 का ये मामला गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर में पाया गया है। ऐसे में एक्सपर्ट्स ने लोगों से त्योहारों के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

सीएम बघेल ने पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र को दी 23 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत के 40 कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज शिवरीनारायण में आयोजित कार्यक्रम में पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए 23 करोड़ 90 लाख रूपये की लागत के 40 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया है। उन्होंने इन कार्यों में से 26 कार्यों जिनकी लागत 16 करोड़ 14 लाख 53 हजार रुपए है, के कार्यों का भूमिपूजन और 14 कार्यों जिनकी लागत 7 करोड़ 75 लाख 44 हजार रुपये है, का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने सहकारी बैंक में 4 कार्य जिनकी लागत राशि 5 करोड रुपए, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा 11 कार्य जिनकी लागत राशि 2.35 करोड़ रुपए, जल संसाधन संभाग जांजगीर, दो कार्य जिनकी लागत राशि 5.23 करोड़ रुपए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एक कार्य जिनकी लागत राशि 2.43 करोड़ रुपए,लोक निर्माण विभाग, दो कार्य लागत राशि 4.54 करोड़ रुपए, ग्राम पंचायत 7 कार्य लागत राशि 81 लाख करोड़ रुपए, कुल 26 कार्य लागत राशि 16.14 करोड़ रुपए का भूमिपूजन किया। इसी तरह मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए एक कार्य लागत राशि 2.17 करोड़ रुपए, नगर पंचायत शिवरीनारायण हेतु दो कार्य लागत राशि 45 लाख करोड़, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा हेतु दो कार्य लागत राशि 1.69 करोड़ रुपए, ग्राम पंचायत हेतु 7 कार्य लागत राशि 46 लाख रुपए, लोक निर्माण विभाग हेतु एक कार्य लागत राशि 1.21 करोड़ रुपए, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल हेतु 1 कार्य 1.75 करोड़ रुपए मिलाकर कुल 14 कार्य जिनकी लागत राशि 7.75 करोड़ रुपए है, का लोकार्पण किया।

छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी की 2023 की छुट्टियां 17 सार्वजनिक और 25 सामान्य अवकाश घोषित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों के लिए 2023 में दी जाने वाली छुट्टियों की सूची जारी कर दी है। सरकार ने छुट्टियों की डिटेल राजपत्र में प्रकाशित कर दी हैं। इसमें होली, दिवाली से लेकर अन्य त्योहारों की छुट्टियां शामिल हैं। 2023 में दीपावली, छठ पूजा व कबीर जयंती जैसे पर्व रविवार को होने से एक दिन की छुट्टी का नुकसान हो रहा है हालांकि इसके बाद भी कर्मचारियों को काफी छुट्टियां मिलेंगी।

सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों की सूची जारी की है। 2023 में सरकारी कर्मचारियों के लिए कुल 17 सार्वजनिक अवकाश और 25 सामान्य अवकाश घोषित किए गए हैं। दीपावली, कबीर जयंती और छठ पूजा रविवार होने से कुछ छुट्टियां कम हो रही है। वहीं 2023 में विधानसभा चुनाव है और चुनाव के पहले कुछ विशेष परिस्थितियों में छुट्टियों में कटौती भी की जा सकती है।

सीएम ने किया एलान, अब हिन्दी में भी होगी मेडिकल और इंजिनियरिंग की पढ़ाई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में हिंदी में भी मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम पढ़ाना शुरू होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर एलान किया है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार यूपी में मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में शुरू करवा रही है। इसके लिए कुछ किताबों को हिंदी में प्रिंट करवा दिया गया है और इसके लिए गठित कमेटी लगातार काम कर रही है।

आदिवासी आरक्षण मामला

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को दिया बड़ा झटका

नोटिस जारी कर चार सप्ताह में मांगा जवाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। आदिवासी आरक्षण पर छिड़ी बहस का मुद्दा छत्तीसगढ़ में थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ये मामला बिलासपुर हाईकोर्ट से सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। आदिवासी आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार और गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी को नोटिस जारी किया है। जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने योगेश ठाकुर की याचिका आवेदन की सुनवाई के बाद नोटिस जारी कर राज्य शासन को जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

58 प्रतिशत आरक्षण को हाई कोर्ट ने बताया असंवैधानिक

आदिवासी कार्यकर्ता और विधिक सलाहकार बीके. मनीष, प्रकाश ठाकुर, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ और योगेश कुमार ठाकुर के आवेदन पर चर्चा के बाद जस्टिस गवई ने इसको स्वीकार करते हुए राज्य सरकार और दूसरे पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 19 सितम्बर को अपने आदेश में 58 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक घोषित करते हुए आरक्षण अधिनियम को रद्द कर दिया है।

1 नवंबर से शुरू होगी धान की खरीदी, 110 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य, 15 क्विंटल प्रति एकड़ लिमिट तय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 नवंबर को राज्योत्सव के साथ ही खरीफ सीजन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू होगी। इस साल लगभग 110 लाख मीट्रिक धान खरीदी का अनुमान है। धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 31 अक्टूबर तक चलेगा। अब तक 24 लाख 62 हजार किसानों का पंजीयन हो चुका हैं। इस वर्ष 60 हजार 878 नए किसानों ने पंजीयन कराया है। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी पिछले वर्ष के अनुसार 15 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित की गई है। किसानों ने इस वर्ष लिमिट बढ़ाने की उम्मीद जताई थी, लेकिन इस साल भी 15 क्विंटल प्रति एकड़ ही बेच पाएंगे।

रणनीति बदलें मुख्यमंत्री जी, हालत खराब है

श्रीकंचनपथ

देश के प्रधानमंत्री की तरह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी 24×7 काम में जुटे हैं. हाल ही में उन्हें जनता की कसौटी पर देश का सर्वाधिक लोकप्रिय मुख्यमंत्री बताया गया है. लोकप्रियता अपनी जगह है और कामकाज अपनी जगह. पीएम और सीएम 24-24 घंटे काम कर रहे हैं पर नतीजे नहीं आ रहे. आम आदमी के समक्ष समस्याएं जस की तस हैं. राज्य के कोने-कोने से भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और भर्राशाही की खबरें आ रही हैं. मुख्यमंत्री के लिए ये खबरें परेशान करने वाली हो सकती हैं. मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं, निर्देश दे रहे हैं. कहीं स्कूल खराब मिल रहे हैं तो कहीं सरकार की 'गेम चेंजिंग' गोठान योजना सूली पर चढ़ी दिखाई दे रही है. लोग सड़कों पर गड्ढों की गिनती कर रहे हैं. दरअसल, बात ईमानदारी या नीयत की नहीं है. बात कुप्रबंधन की है. एक आदमी अपने घर का तो पूरा-पूरा हिसाब रख नहीं पाता, एक जिला या एक पूरे राज्य का ख्याल कैसे रखेगा? इच्छाशक्ति हो तो रास्ते भी निकल ही आते हैं. एक लंबा चौड़ा सरकारी महकमा आपकी सेवा में हाजिर है. इन्हें काम पर लगाइए. अधिकार दीजिए और जिम्मेदारी भी तय कीजिए. आप सिर्फ मुखिया के कान मरोड़िये, बाकी उसपर छोड़ दें. किसके कान मरोड़ने हैं और किसके पुट्ठे सेंके जाने हैं यह उसे तय करने दें. आप सिर्फ नतीजों पर नजर रखें. इसी को काम का युक्तियुक्त विभाजन कहते हैं. यही सत्ता का विकेन्द्रीकरण है. सबकुछ सीएम हाउस से नहीं हो सकता. देश का मौजूदा शासन पैटर्न दोषपूर्ण है. निचले स्तर पर कार्यवाही से ढांचा नहीं बदलता. शिक्षक गैर हाजिर मिला तो हेडमास्टर को नोटिस थमा दिया. ब्लाक शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव और खुद स्कूली शिक्षा मंत्री बेदाग बरी हो गए. आप ऊपर से कार्यवाही शुरू कीजिए, नीचे वालों को टाइट करने का जुगाड़ वे खुद लगा लेंगे. पूरे प्रदेश की व्यवस्था सुधर जाएगी. आप एक शिक्षा मंत्री को डांट सकते हो. वह शिक्षा सचिव से लेकर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों की क्लास ले सकता है. जिला शिक्षा अधिकारी ब्लाक शिक्षा अधिकारियों की क्लास लेगा तो स्कूल अपने आप दुरुस्त हो जाएंगे. बात रिजल्ट की आएगी तो रिश्वत लेकर तबादला करने का चलन अपने आप खत्म हो जाएगा. पोशाकी मंत्री-संत्रियों का दौर अब बीत चला है. इन्हें काम पर लगाए बिना राज्य नहीं संभल सकता. बात रिजल्ट देने की होगी तो जिम्मेदार अपनी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद की झोली को खूंटे पर टांगने के लिए विवश हो जाएंगे. अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है बिसात के बिछने को. थोड़े ही दिनों में अखबार के पन्ने खराब सड़कों, बदहाल गोठानों, खस्ताहाल अस्पतालों, बिना छप्पर के स्कूलों की स्टोरी से रंगे जाने लगेंगे. बढ़ते अपराध और बढ़ती बेरोजगारी के आंकड़े छपने लगेंगे. बेहतर हो समय पर सही कदम उठाए जाएं. यह सबके लिए अच्छा होगा.

तीन दिन तक बंद रहेगा केशकाल घाटी मार्ग, भारी वाहनों की नहीं होगी आवाजाही, कलेक्टर ने लगाया रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के केशकाल घाट में सड़क मरम्मत कार्य संचालित होने के कारण 20 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक मालवाहक वाहनों तथा ट्रकों की आवाजाही बंद रहेगी। इस दौरान इस मार्ग से बसें और छोटी चौपहिया तथा दुपहिया वाहनें संचालित रहेगी। इस अवधि में मालवाहक वाहन और ट्रक वैकल्पिक मार्ग के रूप में रायपुर से जगदलपुर आने के दौरान माकड़ी ढाबा कांकेर से भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ एवं नारायणपुर होकर कोण्डागांव आ सकते हैं। वहीं जगदलपुर से रायपुर जाने वाले मालवाहक वाहन और ट्रक कोण्डागांव से नारायणपुर-अंतागढ़ एवं भानुप्रातपपुर होकर माकड़ी ढाबा कांकेर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग में पहुंच सकते हैं।

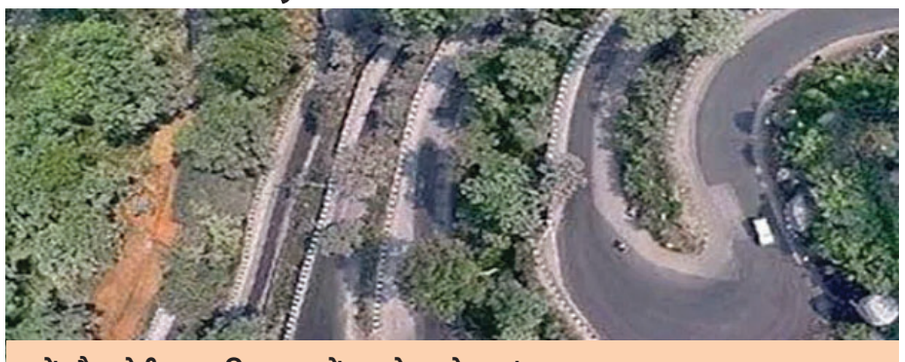

बसें और छोटी चार पहिया वाहनों का होता रहेगा संचालन

एसडीएम केशकाल शंकरलाल सिन्हा ने बताया कि कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार केशकाल घाट में सड़क मरम्मत कार्य को अतिशीघ्र पूरा करने के दृष्टिकोण से मरम्मत कार्य को तेजी के साथ संचालित किया जा रहा है। जिसके कारण इस मार्ग में मालवाहक वाहनों और ट्रकों की आवाजाही नियत तिथि एवं समय के दौरान बंद रहेगी। आम जनता की सुविधा के मद्देनजर इस अवधि में बसों और कार, बुलेरो, सूमो, पिकअप, छोटी चौपहिया और दुपहिया वाहनों की आवाजाही जारी रहेगी।

संपादकीय

कांग्रेस में चुनाव

इक्कीसवीं सदी में पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए सफलतापूर्वक हुआ चुनाव अन्य सभी पार्टियों के लिए भी महत्व रखता है। देश की इस सबसे पुरानी पार्टी में अनेक बार राष्ट्रीय अध्यक्ष को मतदान से चुना गया है, लेकिन आज जिस मोड़ पर कांग्रेस खड़ी है, वहां इस चुनाव का महत्व पहले से कहीं ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर दो लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन ऐसा बुरा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष पद के स्वाभाविक सम्मान से भी पार्टी वंचित रही है। करारी हार ने ही राहुल गांधी को अध्यक्ष पद से हटने के लिए एक तरह से विवश किया था। राहुल गांधी नेतृत्व संभालने से बच रहे थे और सोनिया गांधी को मजबूरी में नेतृत्व प्रदान करने के लिए आगे लाया गया। धीरे-धीरे पार्टी नेतृत्व पर दबाव पड़ा और स्वस्थ परंपरा को याद करते हुए पार्टी ने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का सहारा लिया। इसमें कोई दोराय नहीं कि कांग्रेस ने दूसरी पार्टियों के सामने एक मिसाल पेश की है। लोकतंत्र का तकाजा यही है कि सभी पार्टियों में आंतरिक स्तर पर संगठन चुनाव होने चाहिए। कांग्रेस पर अक्सर वंशवाद या परिवारवाद का आरोप लगता है, यह कांग्रेस का एक पहलू है, लेकिन गांधी परिवार ने जिस तरह से चुनाव के लिए रास्ता तैयार किया है, वह काबिलेगौर है। कांग्रेस में ऐसे नेता बहुतायत में हैं, जिनकी दिली इच्छा यही है कि गांधी परिवार से ही कोई सदस्य अध्यक्ष रहे। दिलचस्प है कि इस चुनाव में जब दो ही नेता खड़े थे, तब भी अनेक कांग्रेसियों ने मतपत्र पर राहुल गांधी का नाम लिख दिया। दल के नए अध्यक्ष पर अब जिम्मेदारी होगी कि वह पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए हर मुमकिन काम करें। यह बहुत अच्छी बात है कि चुनाव के बावजूद पार्टी में कहीं भी कटुता नहीं बढ़ी है। मल्लिकार्जुन खड़गे को 7,897 वोट और शशि थरूर को 1,072 वोट मिलने का संदेश स्पष्ट है कि कांग्रेसजनों ने तुलनात्मक रूप से वरिष्ठता, अनुभव और निष्ठा का पक्ष लिया है। खड़गे की जीत वास्तव में कांग्रेस संस्कृति की ही जीत है और आज के समय में खड़गे में वह दमखम है कि वह पार्टी में समन्वय के साथ चलते हुए बदलाव ला सकते हैं। दूसरी ओर, शीर्ष संगठनात्मक चुनाव में शशि थरूर की मौजूदगी अपने आप में प्रमाण है कि आज भी पढ़े-लिखे, साहित्यकार और दांवपेच न करने वाले नेता अप्रासंगिक नहीं हुए हैं। शशि थरूर अपनी बात रखने में पीछे नहीं रहते हैं और उन्होंने चुनाव को लेकर कुछ शिकायतें भी मुखरता से जाहिर की थीं, जिनका समाधान पार्टी ने आसानी से कर दिया। थरूर ने चुनाव में हार भी स्वीकार कर ली है और खड़गे को बधाई भी दी है। आगे अगर थरूर से बेहतर व्यवहार होगा, तो इससे कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र को बल मिलेगा। बहरहाल, कांग्रेस में हुए इस चुनाव ने राहुल गांधी को यह पूछने का मौका दे दिया है कि कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी है, जहां चुनाव होते हैं। क्या वाकई भारत में किसी पार्टी में लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव नहीं होते हैं? इसमें कोई दोराय नहीं कि आंतरिक चुनाव अगर होंगे, तो राजनीतिक दलों को ज्यादा योग्य और हकदार नेता हासिल होंगे। ऐसे चुनावों की परंपरा अगर मजबूत होगी, तो राजनीति का चरित्र भी बदलेगा। राजनीति को धन या भुजबल के प्रभाव से मुक्ति मिलने की सूरत बनेगी और जमीनी स्तर पर सेवाभावी ढंग से काम करने वाले नेताओं को आगे आने के ज्यादा मौके मिलेंगे।

> “ खड़गे की जीत वास्तव में कांग्रेस संस्कृति की ही जीत है और आज के समय में खड़गे में वह दमखम है कि वह पार्टी में समन्वय के साथ चलते हुए बदलाव ला सकते हैं। दूसरी ओर, शीर्ष संगठनात्मक चुनाव में शशि थरूर की मौजूदगी अपने आप में प्रमाण है कि आज भी पढ़े-लिखे, साहित्यकार और दांवपेच न करने वाले नेता अप्रासंगिक नहीं हुए हैं।

कहां खोए हुए हैं आप

हरेक व्यक्ति के अंदर समस्त प्रवृत्तियां मौजूद हैं। आपके ऊपर पूर्व कर्मों का प्रभाव है। वे आपको इधर-उधर धकेलते हैं। अपनी सारी इच्छाओं और वासनाओं से आप लड़ नहीं सकते। इनसे लड़ने का प्रयास भी न करें। इनके साथ लड़ना रक्तबीज राक्षस से लड़ने जैसा है। उसके खून की एक बूंद भी गिरती थी, तो हजारों रक्तबीज उठ खड़े होते थे। आपकी इच्छाएं और वासनाएं ठीक वैसी ही हैं। इसलिए बस अपनी वासनाओं को शिक्षित करें, उनको सही दिशा में बहने की शिक्षा दें। सिर्फ इतना करें। जीवन में अपनी सभी वासनाओं को सर्वोच्च की ओर मोड़ दें। अगर आप क्रोध भी करते हैं, तो उसे भी सर्वोच्च की दिशा में लगाएं। अपनी वासनाओं के साथ पेश आने का भी यही तरीका है। ऊर्जा का हर अंश, जो आपके पास है, उसे आप इच्छा, वासना, भय, क्रोध और दूसरी चीजों में खर्च कर देते हैं। हो सकता है कि ये भावनाएं अभी आपके हाथ में न हों, लेकिन इन्हें एक दिशा देना तो आपके हाथ में है। हो सकता है, जब आप क्रोध में हैं, प्रेम नहीं कर सकते; आप अचानक अपने क्रोध को प्रेम में नहीं बदल सकते, लेकिन क्रोध को तो मोड़ा जा सकता है। क्रोध बहुत बड़ी ऊर्जा है। उसे सही दिशा दें, बस। आपकी ऊर्जा का हरेक अंश, आपकी हरेक आकांक्षा, भावना, विचार यदि सभी एक दिशा में केंद्रित हो जाएं, तो परिणाम शीघ्र मिलेगा। चीजें घटित होंगी। एक बार जब आप जान लेते हैं कि कुछ बेहतरीन है और आप वहां पहुंचना चाहते हैं, फिर उस संबंध में कोई प्रश्न नहीं होना चाहिए। आपको हमेशा यह सिखाया गया है कि हाथ में आई एक चिड़िया डाल पर बैठी दो चिड़ियों से ज्यादा कीमती है।

> “ शशि थरूर वास्तव में मल्लिकार्जुन खड़गे की व्यापक स्वीकार्यता के मुकाबले पिछड़ गए। शशि थरूर शानदार वक्ता हैं, उनका अकादमिक रिकॉर्ड बेहतरीन है, लेकिन मरणासन्न पार्टी को पुनर्जीवित करने और फिर सक्रिय करने के लिए विचार कौशल के बावजूद उनमें संगठनात्मक अनुभव की कमी रह गई। कांग्रेस में पिछली बार जब अध्यक्ष पद के लिए संघर्ष हुआ था, तब अनुभवी नेता जितेंद्र प्रसाद 7,542 में से सिर्फ 94 वोट हासिल कर सके थे।

एक गैर-गांधी अध्यक्ष से बड़ी उम्मीदें

विनोद शर्मा, राजनीतिक संपादक

वृद्ध मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए भारी-भरकम कांग्रेस में सामंजस्य और व्यवस्था बहाल करना शीर्ष पद के लिए चुनाव जीतने से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण और कठिन होगा। पार्टी निराशा से गुजरी है और बदहाली की स्थिति में है, उसे एक बड़ी शल्य क्रिया की जरूरत है, लेकिन इसका कमजोर स्वास्थ्य अभी शल्य क्रिया की इजाजत नहीं देता है।

लगभग एक चौथाई सदी के समय में वह पार्टी के पहले गैर-गांधी अध्यक्ष हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उन्हें अपने वरिष्ठ सहयोगियों, खास तौर पर जी-3 (गांधी परिवार) के वफादार और जी-23 नेताओं के भी सहयोग की जरूरत पड़ेगी। उन्हें अपेक्षाकृत युवा और करिश्माई नेता शशि थरूर के समर्थकों के साथ भी सामंजस्य बिठाना पड़ेगा। खड़गे के समर्थक भी अब उनसे उम्मीद लगाएंगे। अब नए पार्टी अध्यक्ष पर संगठनात्मक सुधारों के नाम पर निजी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के इरादे वाले नेताओं का दबाव होगा। उदाहरण के लिए, 2020 में सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले जी-23 के कई हस्ताक्षरकर्ता यथास्थिति बनाए रखने या ताकत में अपना हिस्सा लेकर मान गए थे। नतीजतन, इन नाराज वरिष्ठों ने खुद को कभी भी उस कॉकस या गुट के रूप में संगठित नहीं किया, जिन्हें पार्टी ने पिछली बड़ी चुनावी हार के बाद देखा था। साल 1967 और 1969 में भी कई जगह चुनावी हार के बाद युवा तुर्क उपनाम से पहचाने जाने वाले नेताओं का एक समूह बन गया था। अगर हम कुछ नाम लेना चाहें, तो उनमें चंद्रशेखर, मोहन धारिया, कृष्णकांत और चंद्रजीत यादव इत्यादि प्रमुख थे। वे कुछ राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के लिए अपने साझा नजरिये के साथ परस्पर जुड़ गए थे, जबकि जी-23 समूह के साथ कतई ऐसा नहीं है, जिसे मीडिया ने किसी भी बौद्धिक बैठक की तुलना में कहीं अधिक प्रचारित किया।

ऐसे नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्मीदवारी के ईद-गिर्द लामबंद हो गए और शशि थरूर को एक तरह से अलग-थलग छोड़ दिया। ये नेता अब सामूहिक रूप से या व्यक्तिगत रूप से पार्टी के प्रभावशाली मंचों पर अपने लिए जगह तलाश कर रहे हैं। नई कांग्रेस कार्यसमिति (12 निर्वाचित और 11 मनोनीत स्थान) और अन्य संगठनात्मक मंचों पर ये नेता अपने लिए ठौर खोजेंगे। विशेष रूप से संसदीय बोर्ड और उस केंद्रीय चुनाव समिति में उन्हें पद की तलाश होगी, जो संसदीय/विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का फैसला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता के सांविधानिक पद के लिए कोशिशें होंगी। कांग्रेस के निर्वाचित अध्यक्ष को एक व्यक्ति-एक पद को ध्यान में रखते हुए फैसला करना है।

शशि थरूर वास्तव में मल्लिकार्जुन खड़गे की व्यापक स्वीकार्यता के मुकाबले पिछड़ गए। शशि थरूर शानदार वक्ता हैं, उनका अकादमिक रिकॉर्ड बेहतरीन है, लेकिन मरणासन्न पार्टी को पुनर्जीवित करने और फिर सक्रिय करने के लिए विचार कौशल के बावजूद उनमें संगठनात्मक अनुभव की कमी रह गई। कांग्रेस में पिछली बार जब अध्यक्ष पद के लिए संघर्ष हुआ था, तब अनुभवी नेता जितेंद्र प्रसाद 7,542 में से सिर्फ 94 वोट हासिल कर सके थे। हालांकि, जितेंद्र प्रसाद के 100 से कम मतों की तुलना शशि थरूर के 1072 मतों से करना गैर-वाजिब होगा, क्योंकि पिछले चुनाव में तो मतपत्र पर दूसरा नाम सोनिया गांधी का था। इस बार गांधी परिवार के चुनाव से बाहर बैठने से मैदान साफ था, पर केरल के सांसद का चुनाव लड़ना और सम्मानजनक हार का प्रबंध करना उन्हें कांग्रेस कार्यसमिति में एक सीट का मजबूत दावेदार बनाता है। इस संभावना पर दांव लगाया जा सकता है, क्योंकि अभियान के दौरान दोनों प्रतिद्वंद्वियों ने कभी शिष्टाचार नहीं छोड़ा। वर्ष 2014 के बाद से चुनावी हार के सिलसिले से उबरने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस खड़गे के पुराने स्कूल के नजरिये के साथ शशि थरूर के आधुनिक स्पर्श को मिलाते हुए बेहतर होगी। यह कवायद कांग्रेस को अपने मूल्यवान अतीत से अलग किए बिना एक व्यापक रूप से रूपांतरित या बदले हुए भारत के साथ जोड़कर नई गाथा गढ़ सकती है। नेतृत्व की दूसरी पंक्ति के निर्माण के लिए उदयपुर का खाका अब प्रासंगिक हो गया है। अपने अभियान में खड़गे ने उदयपुर के विचार-मंथन सत्र में कांग्रेस द्वारा अपने उद्धार के लिए रचे गए 'ब्लू प्रिंट' का लगातार उल्लेख किया है। इस दस्तावेज के आधार पर एक शुरुआती करने योग्य कार्रवाई यह है कि नेतृत्व की दूसरी पंक्ति सामाजिक रूप से समावेशी हो सकती है। यह काम 50 साल से कम आयु वर्ग के नेताओं को पार्टी के पद सौंपकर हो सकता है। पहली छाप अक्सर आखिरी छाप होती है। स्थिति में बदलाव करना होगा, कुछ चीजों को केवल समय के साथ बदला जा सकता है। इसमें राजस्थान में बदलाव भी शामिल है।

पार्टी की असली ताकत या शक्ति के भंडार के रूप में गांधी परिवार कहीं नहीं जा रहा है। अगर एक चतुर दलीय पदाधिकारी ने इसे सही पढ़ा है, तो यहां संयुक्त राज्य अमेरिका की मौजूदा व्यवस्था से उदाहरण दिया जा सकता है। अमेरिका में पार्टियों के सार्वजनिक चेहरे उनके शीर्ष सक्रिय दलीय पदाधिकारियों से काफी अलग होते हैं। अगर कांग्रेस यही रास्ता अपनाती है, तो उसका कायाकल्प हो जाएगा। यहां तो अक्सर प्रधानमंत्री ही पार्टी की बागडोर संभालते देखे गए हैं। इतिहास तो खड़गे से ज्यादा उम्मीद नहीं रखता है, क्योंकि कांग्रेस कमजोर हो गई है। पिछले दो गैर-गांधी अध्यक्षों, पी वी नरसिम्हा राव और सीताराम केसरी के नेतृत्व में टूटने भी लगी थी। टूट ने ही 1998 में सोनिया गांधी के आगमन के लिए मंच तैयार किया था। दिवंगत प्रणब मुखर्जी ने एक बार इस लेखक से कहा था कि सोनिया गांधी ने अपने फैसलों को सर्वसम्मति से संचालित करते हुए पार्टी मामलों में कद, स्वीकार्यता और वीटो प्राप्त किया था। इससे विषम स्थितियों में भी अपनी राह बनाने में पार्टी को मदद मिली।

लोगों को साथ लेकर चलने के लिए पहचाने जाने वाले खड़गे संभवत: अपनी शैली के अनुरूप ही अपने तौर-तरीकों को दोहरा सकते हैं या उसमें सुधार कर सकते हैं। मुश्किल यह है कि सोनिया गांधी के कमान संभालने के तुरंत बाद कांग्रेस ने तीन राज्यों के चुनाव जीते थे। अगर नए अध्यक्ष ने आने वाले चुनावों में से एक में भी जीत का परचम लहरा दिया, तो आधी लड़ाई वह तभी जीत लेंगे। बेशक, यह मुश्किल मुकाम है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऑनलाइन खेलों के कारोबार पर करों का बढ़ता संकट

त्रिविक्रमण थंपी, ऑनलाइन गेमिंग विशेषज्ञ

पांच साल पहले, ऑनलाइन गेम के पक्के समर्थक भी यह कल्पना शायद ही कर रहे थे कि भारत में 2022 तक यह उद्योग 20 करोड़ लोगों का मनोरंजन करेगा, दो अरब डॉलर से अधिक की कमाई करेगा और करीब 20 अरब डॉलर मूल्य का विस्तार पाएगा। इसी तरह, आज यह अनुमान लगाना कठिन है कि 2030 तक भारत की ऑनलाइन गेम कंपनियां 25 अरब डॉलर से अधिक का राजस्व जुटा सकेंगी और देश में क्रिकेट के बाद मनोरंजन का दूसरा सबसे बड़ा माध्यम होंगी। हालांकि, इस सपने को साकार करने के लिए महज उद्यमशीलता की दरकार नहीं है, बल्कि एक ऐसे नीतिगत ढांचे की भी जरूरत है, जो ऑपरेटरों को इनोवेशन यानी नवाचार का मौका दे, उपयोगकर्ताओं के हितों की रक्षा करे और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग के विकास व नवाचार को नुकसान पहुंचाए बिना अधिकतम राजस्व पैदा करे। अभी उपयोगकर्ताओं को खेलने का मंच मुहैया कराने के लिए ऑनलाइन खेल उद्योग अपनी कमाई (सकल गेमिंग राजस्व) पर 18 फीसदी जीएसटी देता है। यह राशि विजेताओं में बंटने वाली कुल पुरस्कार-राशि का करीब 15 फीसदी होती है। इसका अर्थ है कि कुल पुरस्कार-राशि का 2.7 प्रतिशत आज बतौर जीएसटी चुकाया जाता है। नीति-निर्माताओं का एक वर्ग कुल पुरस्कार-राशि पर 28 फीसदी जीएसटी का समर्थक है। ऐसा करने से कर-बोझ में 1,000 प्रतिशत की वृद्धि होगी और ऑपरेटर-राजस्व का लगभग दोगुना टैक्स हो जाएगा। नतीजतन, इस क्षेत्र के लिए करीब-करीब असंभव हो जाएगा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के मुताबिक भारत को गेमिंग सुपरपावर बनाने और एक ट्रिलियन-डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने में मदद कर सके। इससे 'ग्रे-मार्केट' (अनधिकृत बाजार) ऑपरेटरों की बाढ़ आ सकती है, जो स्थानीय ऑपरेटरों की तुलना में बड़ी पुरस्कार-राशि की पेशकश करके उपयोगकर्ताओं को लुभाने की कोशिश कर सकते हैं। जाहिर है, यह हमारे उद्योग की कमर तोड़ सकता है, जिससे न सिर्फ हजारों लोग बेरोजगार हो जाएंगे, बल्कि करोड़ों रुपये के राजस्व डूब जाएंगे और लाखों मासूम उपयोगकर्ता ग्रे-मार्केट ऑपरेटरों के शिकार बन जाएंगे।

केंद्र सरकार ने एक अंतर-मंत्रालयी टास्क फोर्स बनाकर और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से सलाह-मशविरा करके 'गेम्स ऑफ स्किल' (ऐसे खेल, जिनमें किस्मत के बजाय कौशल का परिचय देकर जीत हासिल की जाती है) को विनियमित करने के लिए बहुत ही रचनात्मक नजरिया अपनाया है। मगर दूसरी तरफ सरकार का ही एक हिस्सा इस उद्योग को कुचलने वाले करों की सिफारिश कर रहा है, जो असंगत है। इसका एक कारण यह हो सकता है कि सरकार में कुछ हितधारक 'रीयल-मनी गेम्स' (ऐसे खेल, जिनको खेलने के लिए प्रवेश शुल्क चुकाना पड़ता है) को बुराई के रूप में देखते हैं, और वे इसे बंद कराने को इच्छुक हैं। बेशक, ऐसे खेलों में उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण जरूरी है, लेकिन यह साबित करने के भी पर्याप्त सुबूत हैं कि ऑनलाइन गेमिंग को रोग बताने वाली अधिकांश कहानियां अतिरंजित व झूठी हैं। कई स्वतंत्र संस्थान व प्रमुख मनोवैज्ञानिक इस तथ्य पर सवाल उठा चुके हैं कि ऑनलाइन गेमिंग बढ़ने से देश में सामाजिक समस्याएं बढ़ी हैं। घरेलू उद्योग को बंद करने से उपभोक्ता हितों की कतई रक्षा नहीं हो सकती। यह बार-बार साबित हुआ है कि करों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से उपभोक्ता हतोत्साहित नहीं होते, बल्कि वे अनधिकृत संचालकों की तरफ आकर्षित हो जाते हैं। यही वजह है कि ऐसी कवायद पांव पर कुल्हाड़ी मारने जैसी होती है। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी चुनौतियां भारत के लिए नई हो सकती हैं, पर ब्रिटेन जैसे देश करीब दो दशकों से इस पर काम कर रहे हैं। भारत चाहे, तो 'रीयल-मनी गेम्स' को नियंत्रित करने की दिशा में पश्चिमी देशों की मुश्किलों से सबक लेकर अपने उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए सर्वश्रेष्ठ मानक बना सकता है। यह समझना होगा कि उपभोक्ता संरक्षण के साथ-साथ उद्योग के अनुकूल नीतियां ऑनलाइन खेल के स्वस्थ विकास और कर-राजस्व में मददगार तो होंगी ही, भारत को वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग का पावरहाउस भी बना सकेंगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

दोस्तों, जब घर छोड़कर
निकलते हो तो घर में,
चिड़चिड़ाहट, क्रूरता,
लड़ाई-झगड़ा, उदासी का
माहौल या होंठों पर
मुस्कान छोड़कर निकलते
हो? जरा सोचों।।

-अंजली जैन
7024460938

गरीब धर्मध्वजा से गदगद

हरिशंकर व्यास

पिछले आठ सालों में क्या हुआ? क्या कभी राजा के मुंह से यह वाक्य निकला कि गरीबी मिटा कर दम लूंगा? तभी गरीबों के, देश के उद्धारक नहीं बल्कि मंदिरों के उद्धारक का पर फोकस रहा है। इसलिए दस-बीस करोड हिंदुओं की गरीबी दूर की तो उतने वोट नहीं मिलेगी लेकिन पचास मंदिरों का उद्धार हुआ, गौमताओं को चारा-पानी मिला, दुश्मन को जंगल में हरा दिया तो भले देखा किसी न हो वोट मिलेगे थोक। हजार सालों में मंदिरों के विध्वंस में हिंदुओं की मनोदशा ऐसी बनी है कि मंदिर का बनना ही सबसे किमती उपलब्धि। गुजरे सप्ताह भारत के 140 करोड़ लोगों सहित दुनिया के 40 देशों के लोगों ने देखा कि कैसे प्रधानमंत्री ने 11 अक्टूबर को उज्जैन के महाकाल मंदिर के साढ़े आठ सौ करोड़ रुपए के पुनरूद्धार योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने महाकाल लोक देश को समर्पित किया। देश ने देखा कि कैसे प्रधानमंत्री नंदी के सामने बैठे हैं, कैसे शिवलिंग के सामने बैठ कर पूजा अर्चना कर रहे हैं और कैसे रुद्राक्ष के साथ ध्यान कर रहे हैं।

इसी मौके पर उन्होंने कहा कि यह कैसे हो सकता है कि महादेव बुलाएं और उनका यह बेटा न आए। सन् 1234 में इल्तुतमिश ने इस मंदिर पर हमला किया था। बाद में सिंधिया राजघराने ने इसका पुनर्निर्माण कराया था। इससे पहले मार्च 2019 में काशी कॉरिडोर के निर्माण का काम प्रधानमंत्री ने शुरू कराया। फरवरी 2022 के चुनाव से ठीक पहले दिसंबर 2021 में इसके पहले चरण के काम का लोकार्पण किया। उस समय सबने प्रधानमंत्री को गंगा में डुबकी लगाते और लोटे में जल लेकर रूद्राभिषेक के लिए मंदिर में जाते लाइव देखा। पूरी पूजा का लाइव प्रसारण हुआ। इस मंदिर पर औरंगजेब ने हमला किया था और इंदौर की अहिल्याबाई होल्कर ने इसका पुनर्निर्माण कराया था।

उससे पहले 2021 में प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर से जुड़ी तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। सबको पता है कि मोहम्मद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर कई बार हमला किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अगस्त 2020 में अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का शिलान्यास किया। तब भी देश ने भक्त प्रधानमंत्री की लाइव पूजा अर्चना देखी थी। अयोध्या का मंदिर बाबर ने तोड़ा था। प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले उन्होंने केदारनाथ के मंदिर के निर्माण के प्रोजेक्ट शुरू किए। 2013 में आई प्राकृतिक आपदा में मंदिर के आसपास और रास्तों में बड़ी तबाही हुई थी। उसका पूरा भव्य ढांचा नए सिरे से तैयार किया गया है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने धमधा में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

खजरी नाले में साढ़े सात किमी पर हुआ नरवा कार्य, साढ़े 450 किसान लाभान्वित हो रहे

नाले के दोनों किनारों में 500 मीटर तक किसान पहले बोर चलाते थे, अब नाले से पानी ले रहे हैं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने धमधा में शासन की फ्लैगशिप योजनाओं के अंतर्गत हो रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। नरवा योजना के अंतर्गत आये जमीनी बदलावों की स्थिति देखने वे खजरी नाले पहुंचे। यहां पर साढ़े सात किमी पैच पर नरवा ट्रीटमेंट का काम किया गया है और इससे जमीनी स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। इस पैच में नाले के किनारे पहले किसान बोर से पानी लेते थे, अब नाले में पर्याप्त पानी है और सीधे नाले से ही पानी पंप कर रहे हैं। यह बदलाव नाले के दोनों ओर के 500 मीटर तक के क्षेत्र में आया है।

यहां पर अधिकारियों ने बताया कि नरवा ट्रीटमेंट से पहले इस नाले में पानी जनवरी महीने तक ही ठहरता था इस बार उम्मीद है कि पानी अच्छा ठहरेगा। इस नाले के माध्यम से दारगांव, बिरोदा और खजरी में भूमिगत जल में काफी सुधार आया है। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन भी मौजूद रहे। दानीकोकड़ी की बाड़ी में इस सीजन समूह की प्रत्येक महिला ने कमाये 20 हजार रुपए- दानीकोकड़ी में कलेक्टर ने महिला समूहों द्वारा उगाई जा रही बाड़ी देखी। महिला समूहों ने यहां गोभी, बैंगन, गवारफल्ली आदि उगाई है। नव ज्योति समूह की महिलाओं ने बताया कि इस सीजन समूह की प्रत्येक महिला ने 20 हजार रुपए कमाये।

कुपोषित बच्चों के लिए बनाएं डाइट प्लान - यहां कलेक्टर ने आंगनबाड़ी भी देखी। यहां उन्होंने दर्ज संख्या और उपस्थित बच्चों की जानकारी ली। इनके वजन की जानकारी ली और यहां चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। 30 बच्चों में 23 बच्चे उपस्थित थे। इनमें 3 कुपोषित बच्चे थे। कलेक्टर ने कहा कि इन बच्चों का विशेष ध्यान रखें और इनके लिए डाइट प्लान तैयार कर लें। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए जो गर्म भोजन दिया जाता है उसे हमेशा एक निर्धारित समय पर देने की कोशिश करें। मेड़ेसरा में स्कूल पहुंचे, आंतरिक मूल्यांकन चल रहा था, लर्निंग लास को ठीक करने दिये निर्देश- कलेक्टर मेड़ेसरा में स्कूल के निरीक्षण में भी पहुंचे। यहां पर आंतरिक मूल्यांकन चल रहा था। शिक्षकों ने बताया कि कोविड पीरिएड के दौरान बच्चों को जो लर्निंग लास हुआ है उसकी जांच के लिए यह आंतरिक मूल्यांकन हो रहा है। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षण में जिन भी बच्चों का लर्निंग लास चिन्हांकित होता है। उनके लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर इसे ठीक करें।

दारगांव में स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण- कलेक्टर ने दारगांव में स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण भी किया। यहां पर उन्होंने ओपीडी में आये मरीजों से पूछताछ की। यहां उन्होंने नई वाली बिल्डिंग में ओपीडी चलाने के निर्देश दिये। हास्पिटल मैनेजमेंट के संबंध में भी निर्देश कलेक्टर ने दिये।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से चर्चा कर योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की ली जानकारी

मुख्यमंत्री ने केरा में नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात के दौरान पामगढ़ विधानसभा के ग्राम केरा में आमजनता से रू-ब-रू चर्चा कर शासन की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सीधे फीडबैक लिया। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों को उनके हित में संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान ग्रामवासियों की मांग पर क्षेत्र के विकास के लिए अनेक कार्यों की सौगात दी।

इनमें प्रमुख रूप से केरा में महाविद्यालय और जिला सहकारी बैंक की शाखा खोलने सहित बिजली लाईन के विस्तार कार्य आदि शामिल हैं। भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान ग्राम केरा के कृषक श्री जवाहरलाल आदित्य ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे 65 डिसमिल में खेती करते हैं। मुख्यमंत्री ने जब उनसे पूछा कि आपको राजीव गाँधी किसान न्याय योजना की राशि मिली या नहीं ? बैंक में जाकर खाता चेक किए या नहीं? तो जवाहरलाल ने बताया कि वह 15 दिन पहले ही बैंक गया था ,पैसा नहीं आया है। मुख्यमंत्री ने जवाहरलाल को बताया कि इस बार दीपावली का त्यौहार मनाने न्याय योजना की राशि एक नवम्बर से पहले 17 अक्टूबर को ही सबके खाते में दे दी गई है। यह दो दिन पहले की बात है। अब जाकर खाते की जांच करियेगा। किसान ने बैंक के अधिकारियों द्वारा ठीक से व्यवहार नहीं किए जाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने सहकारी बैंक के अधिकारी को तलब किया और जब किसान के खाते की जाँच कराई तो उनके खाते में राजीव गाँधी न्याय योजना से पैसा आना पाया गया। मुख्यमंत्री ने उन्हें बैंक जाकर पैसा निकालने की सलाह दी और बैंक अधिकारी को किसानों के राशि का भुगतान नियमानुसार तत्परतापूर्वक करने के सख्त निर्देश दिए। इसी तरह ग्राम बर्रा के किसान श्री दिलेराम साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने 250 क्विंटल धान बेचा है। उनका 15 एकड़ का खेत है। धान बेचने के अलावा राजीव गांधी किसान न्याय योजना से मिली राशि से अपने मकान का निर्माण सहित विभिन्न घरेलू आयोजनों में राशि का बेहतर उपयोग किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए बनाई गई योजना से उनको बेहतर लाभ मिल रहा है। इससे उनके चेहरे पर खुशी है।

खास खबर

कलेक्टर ने कृष्ण कुंज का किया अवलोकन

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने कौरिनभाटा स्थित कृष्ण कुंज का अवलोकन किया। कलेक्टर ने कहा कि शासन की पहल पर शहर के मध्य में कृष्ण कुंज का निर्माण किया गया है और यहां मिश्रित प्रजाति के लगभग 500 पौधे लगाएं गए हैं। इससे यहां के रहवासियों को एक सुकून भरा स्थान मिलेगा। स्थानीय सहभागिता से यहां रोपित पौधों की देखभाल करने के साथ ही कृष्ण कुंज को और सुंदर बनाएं। उन्होंने वहां ओपन जिम का भी मुआयना किया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कृष्ण कुंज में बरगद, पीपल, आवला, नीम, कदम, मौल, जामुन, आम, बेल, शहतूत, इमली, अमरूद, रूद्राक्ष, लाल चंदन सहित विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाएं गए हैं। गौठानों को आर्थिक दृष्टिकोण से सुदृढ़ बनाने के लिए शासन द्वारा गोबर पेंट निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर डोमन सिंह ने आज लखोली स्थित गौठान का जायजा लिया। उन्होंने वहां गोधन न्याय योजना के तहत बनाए जा रहे वर्मी कम्पोस्ट निर्माण का अवलोकन किया। कलेक्टर ने वहां गोबर पेंट यूनिट स्थापना के लिए प्राथमिक तौर पर स्थान का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को यहां गोबर पेंट निर्माण के लिए मशीन लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोबर पेंट के लिए यह जरूरी है कि गौठान से रोड कनेक्टिविटी अच्छी होनी चाहिए। इसके साथ ही पर्याप्त पानी तथा विद्युत का कनेक्शन होना चाहिए। उन्होंने समूह की महिलाओं के लिए वर्किंग शेड का निर्माण करने के लिए कहा।

दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर व कोरबा की ट्रेनों के 190 कोच सिक्योरिटी फीचर्स से लैस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बेहतर यात्री सुविधाएं तथा सुरक्षा के लिए बड़ी पहल की है। दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर व कोरबा से निकलने वाले ट्रेनों की 190 बोगियों में सुरक्षा के लिए रेलवे सीसी टीवी कैमरे लगाए गए हैं और आगे अन्य ट्रेनों में भी इसकी लिए तैयारी की जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा व संरक्षा तथा ट्रेनों में अपराध की रोकथाम, संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखकर ट्रेनों के कोच में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 110 एलएचबी कोच, 72 ईएमयू के कोच तथा 08 डेमू कोच में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाए जा चुके है । इससे यात्रियों का सफर सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव के साथ सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होगा । ट्रेनों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना प्राप्त होने पर इन कैमरों की मदद से डाटा को डाउनलोड करके उनका विश्लेषण कर आगे की कार्रवाई की जा सकेगी ।

इन ट्रेनों की बोगियों में लगे हैं सीसी कैमरे

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत यात्री ट्रेनों में दुर्ग-निज़ामुद्दीन-दुर्ग, हमसफर एक्स्प्रेस के 22 कोच, कोरबा-अमृतसर-कोरबा, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के 38 कोच, बिलासपुर-भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस के 13 कोच, बिलासपुर-पुणे व बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस के 06 कोच, बिलासपुर-पटना व बिलासपुर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस के 04 कोच, दुर्ग-निज़ामुद्दीन, संपर्कक्रांति व दुर्ग-जम्मूतवी एक्सप्रेस के 16 कोच सहित 11 स्पेयर कोच शामिल है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चलने वाली बल्लारसाह-गोंदिया मेमु के 12+12 कोच, चांदाफ़ोर्ट-गोंदिया मेमु के 12 कोच, गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमु के 12 कोच, झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमु के 12 कोच, केवटी-रायपुर डेमू के 8 कोच सहित 12 स्पेयर कोचों में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाए जा चुके है।

प्लेटफॉर्म में भी लगाए गए सीसी टीवी कैमरे

ट्रेनों में कोच के अतिरिक्त दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कई स्टेशनों के प्लेटफार्म व स्टेशन परिसरों में भी क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाए गए हैं। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 12 स्टेशनों में लगभग 360 क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाए गए है । इन कैमरों की मदद से आपराधिक एवं संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम के साथ स्टेशनों पर यात्रियों के छूटे हुए सामानों की बरामदगी में भी सहायता मिल रही है।

इसके अलावा संदिग्धों एवं अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा विवाद सुलझाने में कैमरे के फुटेज साक्ष्य के तौर पर उपयोग में लाये जा रहे है । साथ ही साथ रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले शरारती तत्वों और रेल में अपराध करने वालों पर भी अंकुश लगाने में क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ।

महिला सुरक्षा पर भी विशेष नजर

यात्रियों विशेषतया महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 'मेरी सहेली' अभियान चलाई गई है । इस अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ट्रेन में सफर कर रही महिला यात्रियों के पास जाकर उनसे बात करती है । अगर महिला यात्री को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर उसे तुरंत हल किया जाता है । इसके अलावा यात्रियों को एक हेल्पलाइन लाइन नम्बर भी दिया गया है जिस पर शिकायत करने पर तुरंत एक्शन लिया जाता है । प्रतिदिन यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए तेजस्विनी वाट्सएप ग्रुप का सफल संचालन किया जा रहा है । यात्रियों की सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसे सुनिश्चित करने हेतु निरंतर नई तकनीक का समावेश किया जा रहा है ।

जीवन में ऊंचाइयां पाना है तो अपना अस्तित्व मिटा दो, आपका अस्तित्व बनेगा : आचार्य विशुद्ध सागर महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सन्मति नगर फाफाडीह के विशुद्ध देशना मंडप में बुधवार शाम वस्तुत्व महाकाव्य पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रमण संगोष्ठी का समापन हुआ। गुरुवार से इसी महाकाव्य पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का शुभारंभ होगा। बुधवार सुबह आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज की अध्यक्षता व निर्देशन में श्रमण संगोष्ठी का तृतीय सत्र व दोपहर में चतुर्थ सत्र संपन्न हुआ। संगोष्ठी के दूसरे दिन दोनों सत्रों में आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा रचित वस्तुत्व महाकाव्य ग्रंथ पर बाल ब्रह्मचारी भैय्या जी एवं श्रमण मुनिराजों ने अपने आलेख का वाचन किया। दोनों सत्रों के अंत में आचार्यश्री ने अपनी मंगल देशना दी एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया।

आचार्यश्री ने मंगल देशना में कहा कि जीवन में आप कितने भी बड़े पद पर पहुंच जाओ, लेकिन हमेशा सरल रहना। जीव अपना अस्तित्व मिटा कर जीएगा तब ही उसका अस्तित्व बनेगा। मित्रों यदि ऊंचाईयां पाना है तो अपना अस्तित्व मिटा दो,आपका अस्तित्व बनेगा।

ज्ञानियों यदि बीज अपना अस्तित्व न मिटाएं,जमीन में नहीं छुपेगा तो बाले ऊपर कैसे आएंगी। एक गेहूं का दाना जमीन में गड़ता है तो 100 दाने ऊपर चमकते हैं,ऐसे ही जो शिष्य अपने गुरु की जमीन में अनुशासन में दबा रहता है, वह हजारों शिष्यों को जन्म देगा।

आचार्यश्री ने कहा कि आप लोगों ने जो वाचन किए हैं, ज्ञानियों वस्तुत्व निमित्त है,आपकी प्रज्ञा का परिचय है। जिसके अंदर धैर्य, प्रज्ञा,वीरत्व, मेधा जैसी शक्तियां होगी,वही व्यक्ति माइक पकड़ सकते हैं। वक्तव्य कला जिसके पास नहीं वह नायक बनने के लायक नहीं है, नायक बन भी गया तो दूसरे का चेहरा देखेगा। जिसे बोलना नहीं आता वह दूसरे से बोलवाता है,अरे ज्ञानियों धाय मां दूध पिला सकती है लेकिन मां की ममता नहीं दे सकती है। ऐसे ही आप दूसरे से बोलवा तो सकते हो, लेकिन वह व्यक्ति वह बातें नहीं बोल पाएगा जो आप कहना चाहते हो।

आचार्यश्री ने कहा कि एक वस्तुत्व नहीं,जितने मुनिराज हैं सभी वस्तुत्व हैं। मित्रों बांस की विशेषता है कि बादल बरसे तो कोपल नहीं फूटते हैं, लेकिन बादल गरजे तो बांस की कोपले फूट पड़ती है। ऐसे मित्रों आप जिनवाणी सुनो तो आपके भीतर से कवि की कोपल फूट पड़े,कवित्व फूटे, विस्फोटित हो जाए,जैसे ज्ञानी योगी के अंदर ज्ञान फूटता है। अपने जीवन में काव्य कला जागृत करो, लेकिन काव्य में मात्र और मात्र भगवान महावीर की वाणी गुंजित होना चाहिए।

महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक ने आज जिला कार्यालय परिसर से मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और अपनी शुभकामनाएं दी। ''बात हे अभिमान के महिला मन के सम्मान के'' सूत्र वाक्य के साथ यह यात्रा रवाना की गई।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की पहल पर प्रदेश की महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों और कानूनों की जानकारी देकर जागरूक करने और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से यह न्याय रथ यात्रा शुरू की गई है। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अनीता रावटे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्मृति ठाकुर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम, सदस्य श्रीमती मधुबाला रात्रे, श्रीमती धनमति यादव, श्रीमती लोकेश्वरी नेताम सहित आयोग की शासकीय अधिवक्ता सुश्री शमीम रहमान, अधिवक्ता डॉ अखिलेश भारद्वाज, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री निशा सिन्हा, जिला प्रशासन के अधिकारी व महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। इस दौरान जिला कार्यालय के सभाकक्ष में मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ से संबंधी लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ यात्रा राज्य महिला आयोग के माध्यम से संचालित की जाएगी। यह रथ सभी जिलों के गांव-गांव तक भ्रमण कर लोगों को शॉर्ट फिल्मों, संदेशों और ब्रोशर के माध्यम से महिलाओं के कानूनी प्रावधानों और उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में अवगत कराएगा। इस अभियान के तहत महिलाओं को नि:शुल्क कानूनी सहायता भी दी जाएगी। प्रत्येक महतारी न्याय रथ में 2 अधिवक्ता भी होंगे, जो महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उन्हें जानकारी और सलाह देंगे। न्याय रथ के माध्यम से महिलाएं आवेदन भी दे सकेंगी। प्राप्त आवेदनों का महिला आयोग द्वारा निराकरण किया जाएगा। रथ में बड़ी एलईडी स्क्रीन में छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषा की विभिन्न कानूनों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत लघु फिल्में दिखाई जाएंगी।

मतदाता सूची में आधार पंजीयन के उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ हुए सम्मानित

सुकमा। भारत निर्वाचन आयोग नई- दिल्ली द्वारा मतदाताओं से आधार डेटा का संग्रह कर मतदाता सूची के डेटा मे जोडने और प्रमाणीकरण का कार्य बूथ लेवल अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर किया गया। आयोग जारी समयावधि से पहले आधार एंट्री को पूर्ण के माध्यम से मतदाताओं से समयबद्ध तरीके से एकत्र किया गया है। करने वाले बी.एल.ओ. को प्रोत्साहित करते हुए सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार छिंदगढ़ महेंद्र लहरे द्वारा सम्मानित किया गया।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब 1314.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 1314.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 19 अक्टूबर तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2450.0 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 640.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 1074.9 मिमी, बलरामपुर में 1116.0 मिमी, जशपुर में 1143.8 मिमी, कोरिया में 925.4 मिमी, रायपुर में 960.1 मिमी, बलौदाबाजार में 1212.8 मिमी, गरियाबंद में 1317.6 मिमी, महासमुंद में 1180.6 मिमी, धमतरी में 1359.6 मिमी, बिलासपुर में 1502.3 मिमी, मुंगेली में 1382.9 मिमी, रायगढ़ में 1252.4 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1405.9 मिमी, कोरबा में 1264.2 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1125.9 मिमी, दुर्ग में 1042.8 मिमी, कबीरधाम में 1210.3 मिमी, राजनांदगांव में 1271.3 मिमी, बालोद में 1343.9 मिमी, बेमेतरा में 757.2 मिमी, बस्तर में 1889.7 मिमी, कोण्डागांव में 1332.3 मिमी, कांकेर में 1614.3 मिमी, नारायणपुर में 1534.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 1853.5 मिमी और सुकमा में 1628.9 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड-2022 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आवेदन आमंत्रित

आवेदन आयोग के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में भेज सकते है

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड-2022 के लिए मीडिया संस्थानों से आवेदन आमंत्रित किया है। मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए उत्कृष्ट अभियान संचालित करने वाले मीडिया संस्थानों को आयोग हर वर्ष चार श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान करता है। आयोग मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए सर्वश्रेष्ठ अभियान संचालित करने वाले एक प्रिंट मीडिया संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अंतर्गत एक टेलीविजन मीडिया संस्थान और एक रेडियो मीडिया संस्थान तथा एक ऑनलाइन या सोशल मीडिया संस्थान का चयन कर पुरस्कृत करता है। राष्ट्रीय मीडिया अवार्ड-2022 के लिए आवेदन करने के इच्छुक मीडिया संस्थान 30 नवम्बर 2022 तक अपना आवेदन आयोग के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में भेज सकते हैं। आवेदन भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नई दिल्ली-110001 के पते पर प्रेषित किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ राज्य हज समिति में सदस्यों का नामांकन

रायपुर। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ हज समिति में सदस्यों का नामांकन किया गया है। इस संबंध में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य हज समिति नियम के प्रावधानों के अनुसार छत्तीसगढ़ हज समिति में सदस्य के लिए मोहम्मद असलम खान नयापारा रायपुर को नामांकित किया गया है। यह अधिसूचना 18 अक्टूबर 2022 से प्रभावशील मानी जाएगी।

इसी प्रकार एक अन्य अधिसूचना के अनुसार नियमों में निहित प्रावधान के अनुसार राज्य के स्थानीय निकाय के तीन सदस्यों को छत्तीसगढ़ राज्य हज समिति में नामांकित किया गया है। इनमें इमरान खान पार्षद सदर वार्ड नगर पालिक निगम जगदलपुर जिला बस्तर, अफरोज अंजुम एल्डरमेन नगर पालिक निगम रायपुर और मोहम्मद इमरान पार्षद नगर पालिका परिषद अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा शामिल है। इसके अलावा नियमों के प्रावधान के तहत ऐसे मुस्लिम स्वैच्छिक संस्था के प्रतिनिधियों से जो सार्वजनिक प्रशासकीय, वित्तीय, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत हो में से अब्दुल रज्जाक खान मौदहापारा रायपुर को सदस्य नामांकित किया गया है। इन मनोनित सदस्यों का कार्यकाल राजपत्र में प्रकाशन तिथि से तीन वर्ष होगा।

दीपावली महोत्सव लुभा रहा राजधानीवासियों को

छत्तीसगढ़ की हस्तशिल्प कलाकृतियां और पारंपरिक परिधान का अनुपम संग्रह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड हाट परिसर, पंडरी में आयोजित दस दिवसीय हस्तशिल्प एवं हाथकरघा वस्त्रों की ''दीपावली महोत्सव'' राजधानी वासियों को लुभा रही है। त्यौहार के सीजन में 21 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं यहां पर जमकर खरीददारी कर रही हैं। ''दीपावली महोत्सव'' में लोगों को उनकी पसंद के अनुरूप छत्तीसगढ़ के पारंपरिक वस्त्र, हस्तशिल्प कलाकृतियां, गृह-उपयोगी एवं घरेलू साज-सजावट की सामग्री सस्ते व किफायती दामों पर उपलब्ध है। यहां पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प कलाकृतियां और हाथकरघा के पारंपरिक परिधानों का अनुपम संग्रह बिक्री के लिए मौजूद है। प्रदर्शनी में अब तक 22 लाख रूपए से भी अधिक की सामग्रियों की बिक्री हो चुकी है।

गौरतलब है कि 12 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक चलने वाले इस ''दीपावली महोत्सव'' में सुप्रसिद्ध शिल्पकला, हाथकरघा वस्त्र और साज-सज्जा की सामग्रियां का अनूठा संग्रह प्रदर्शन-सह-विक्रय के लिए उपलब्ध है। इस दस दिवसीय ''दीपावली महोत्सव में हस्तशिल्पकारों और बुनकरों के उत्पादों को बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। ''दीपावली महोत्सव'' में आने वाले लोग खरीददारी के साथ-साथ यहां बने फूड जोन में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लुफ्त उठा रहे हैं। ''दीपावली महोत्सव'' आम लोगों के लिए प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुली रहेगी। इस महोत्सव में अब तक हस्तशिल्प विकास बोर्ड के साढ़े आठ लाख रूपए, माटीकला के 1.35 लाख रूपए, खादी बोर्ड के 36 हजार, बुनकर समिति के 10.48 लाख रूपए और अन्य राज्यों के स्टॉलों में 1.54 लाख रूपए से अधिक के उत्पादों की बिक्री हो चुकी है। छत्तीसगढ़ हाट परिसर में लगे प्रदर्शनी में 81 से भी अधिक स्टॉल लगाएं गए हैं। इसमें छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प ढोकरा शिल्प, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, बांस शिल्प, कालीन शिल्प, शीसल शिल्प, गोदना शिल्प, तुमा शिल्प, टेराकोटा शिल्प और छिंद कांसा के शिल्पकला एवं हाथकरघा वस्त्रों में कोसे की साड़ियां, दुपट्टा, सलवार सूट, ड्रेस मटेरियल, बेडशीट एवं विभिन्न प्रकार की रेडीमेड वस्त्र, माटी शिल्प, खादी बोर्ड और बिलासा के स्टाल 71 स्टॉल और अन्य प्रदेशों के 10 स्टॉल शामिल हैं।

नवा रायपुर के योगाभ्यास केन्द्र में क्रियायोग और ध्यान शिविर आयोजित

योगाभ्यास केन्द्र में लोगों ने जाना क्रियायोग और ध्यान के फायदे

योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा हुए शामिललागों को क्रियायोग और ध्यान के फायदे और बारीकियां सिखाने नवा रायपुर के सेक्टर 27 स्थित बोटैनिकल गार्डन में संचालित योगाभ्यास केन्द्र में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा शामिल हुए।

योगाभ्यास केन्द्र में लोगों ने जाना क्रियायोग और ध्यान के फायदे शिविर में प्रयागराज से आए स्वामी योगी सत्यम महाराज द्वारा क्रिया योग के संदर्भ में योग साधकों और आम लोगों को महत्वपूर्ण

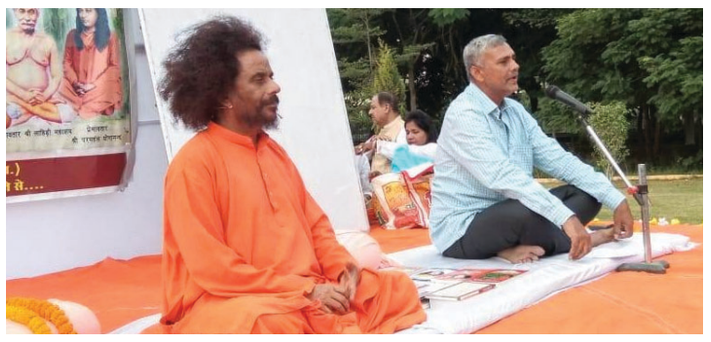

जानकारी प्रदान करते हुए उनसे होने वाले शरीरिक व मानसिक लाभ के विषय में व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि योग शिविरों के आयोजन से योग का प्रचार-प्रसार होता है,जिससे आम लागों को योग के लाभों का पता चलता है। इससे लोगों में जागरूकता आती है। योग से शरीर और मन शुद्ध व स्वस्थ होता है और इससे अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण होता है। शिविर में योग साधकगण, योग आयोग के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं पर तत्परता से क्रियान्वयन हो: मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य शासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य शासन की उच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन सजगता से एवं त्वरित किया जाए। मुख्य सचिव ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन की उच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में लोक सेवा गारंटी, नये पांच जिलों में जिला कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला अस्पताल सहित अन्य कार्यालयों के संचालन की व्यवस्था, डीबीटी के तहत संचालित शासन की योजनाओं, शासन के विभागों के रिक्त पदों की स्थिति, राजस्व वृद्धि की प्रगति सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने राज्य शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा करते हुए लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों में समय-सीमा में कार्यवाही करने के निर्देश सभी विभागों के अधिकारियों को दिए। मुख्य सचिव ने राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की जानकारी पोर्टल में दर्ज कराने अधिकारियों को एनआईसी से आवश्यक समन्वय करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह खनिज विभाग और परिवहन विभाग के अधिकारियों को आवश्यकतानुसार विभिन्न स्थानों में कैमरें लगाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित बैठक में सभी विभागों के भारसाधक सचिव शामिल हुए।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से अब तक 31.44 लाख से ज्यादा लोगों का नि:शुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऐसी परिकल्पना की थी स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों का इलाज उनके घर पर ही हो। इसी उद्देश्य के साथ लागू की गई मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से अब तक 31 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल द्वारा स्लम बस्तियों में पहुंचकर किया गया है। योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस योजना के माध्यम से अब तक 6 लाख 74 हजार 121 मरीजों को पैथालॉजी टेस्ट

की सुविधा मुहैया कराने के साथ ही 26 लाख 10 हजार 277 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क दवाएं दी गई हैं। योजना के तहत लाभान्वित मरीजों में दो लाख 52 हजार 263 श्रमिक भी हैं।

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में 38 हजार 990 कैम्प लगाकर लोगों की नि:शुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क दवायें उपलब्ध कराया जाए।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई।

स्व सहायता समूह से जुड़ने से आर्थिक आजादी की राह हुई आसान

रायपुर। ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) योजना अंतर्गत लक्ष्मी स्व सहायता समूह से जुड़ने से व्यवसायिक सोंच मन में जागृत हुआ तथा स्वयं से कुछ व्यवसाय कर आर्थिक आजादी के राह पर चलने की दिशा मिली, यह कहना है सारागांव की ममता देवांगन का। रायपुर जिले के जनपद पंचायत धरसीवा अंतर्गत सारागांव की ममता देवांगन ने बताया कि वे स्व सहायता समूह से जुड़ने के पूर्व एक साधारण गृहणी थी और उसे कुछ भी स्वयं के खर्चे के लिए अपने परिवार वालों पर निर्भर रहना पड़ता था।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर स्व सहायता समूह के सभी सदस्यों में सकारात्मक बदलाव आया। सबके मन में कुछ कर गुजरने तथा स्वयं में आत्मनिर्भर बनने एवं आर्थिक आजादी पाने की भावना जागृत हुई। ममता ने बताया कि उन्होंने सिलाई कार्य, सिलाई प्रशिक्षण एवं साड़ी विक्रय का कार्य प्रारंभ किया। उन्हें सिलाई कार्य पहले से ही आता था। उन्होंने स्वयं के पास रखें कुछ पैसों एवं परिवार की मदद से तनुजा साड़ी सेंटर एवं सिलाई का कार्य प्रारंभ किया, साथ ही उन्होंने महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण भी देना शुरू किया। ममता ने बताया कि उन्हें सिलाई प्रशिक्षण, सिलाई करने एवं महिलाओं के साड़ी विक्रय कार्य से वर्तमान में प्रतिमाह दस हजार रुपए से अधिक की आमदनी हो रही है और साथ ही अन्य महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण से आजीविका बढ़ाने हेतु प्रयास भी किया जा रहा है ताकि महिलाएं भी अपने जीवन स्तर को सुधारते हुए सफलता की सीढ़ियां चढ़ सके।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

स्किन केयर रूटीन में शामिल करें आइस फेशियल

आइस फेशियल कोरियन ब्यूटी के स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा है जिसे क्रायोथेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। यह आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हुए चेहरे को तरोताजा करने, मुंहासों को कम करने, झुर्रियां दूर करने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। यही नहीं, आइस फेशियल से कई तरह के अन्य त्वचा संबंधित लाभ भी मिल सकते हैं। आइए आज इसके पांच प्रमुख फायदे जानते हैं।

मुंहासों के उपचार में सक्षम

बर्फ के एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन वाली त्वचा को शांत करते हुए त्वचा से मुंहासों को दूर करने में मदद कर सकते हैं और रोमछिद्रों के आकार को कम करते हैं। दरअसल, आइस फेशियल चेहरे पर तेल के अत्यधिक उत्पादन को कम करता है, जो मुंहासों को बढ़ने से रोकता है। लाभ के लिए मुंहासों से प्रभावित त्वचा पर रोजाना कुछ मिनट बर्फ की मसाज करें।

चेहरे के साथ आंखों की सूजन होगी दूर

तनाव और नींद की कमी से आंखों में सूजन आ सकती है। आइस फेशियल आंखों के नीचे की सूजन को कम कर सकता है और आपकी आंखों को तरोताजा कर सकता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के अनुसार, 15-20 मिनट के लिए हल्के दबाव के साथ अपनी आंखों के नीचे कोल्ड कंप्रेस लगाने से सूजन कम हो सकती है। इस तरीके से पूरे चेहरे की सूजन को भी खत्म किया जा सकता है।

चेहरे को मिलेगा निखार

अगर आप चेहरे पर प्राकृतिक रूप से निखार चाहते हैं तो स्किन केयर रूटीन में आइस फेशियल को शामिल कर ही लें। चेहरे पर बर्फ लगाने से त्वचा का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और इसके कारण उसमें तेजी से निखार आता है। यह त्वचा में ऑक्सीजन के स्तर को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। इससे आवश्यक विटामिन और पोषक तत्वों की आपूर्ति में मदद मिलती है।

त्वचा की एलर्जी से मिलेगी राहत

चेहरे पर आइस फेशियल करने से खुजली और लालिमा वाली त्वचा से राहत मिल सकती है। यह एलर्जी, चकत्ते, अत्यधिक धूप में रहने या मुंहासे के कारण हो सकती है। आइस फेशियल रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके त्वचा पर सामान्य एलर्जी की लक्षणों को शांत कर सकती है। इसके अतिरिक्त, गालों पर ब्लश की तरह काम कर सकती है, क्योंकि इससे उन पर गुलाबी रंग आ जाता है।

डेड स्किन सेल्स की बाहरी परत हटाने में मददगार

सबसे अच्छे प्राकृतिक एक्सफोलिएटर में से एक आइस फेशियल त्वचा से डेड स्किन सेल्स की बाहरी परत को हटाने में मदद करता है। आप अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करने और प्राकृतिक चमक पाने के लिए अपने चेहरे पर मिल्क आइस क्यूब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। दूध में लैक्टिक एसिड डेड स्किन सेल्स को साफ करने में भी मदद करता है।

कांतारा ने हिंदी दर्शकों का भी जीता दिल, 100 करोड़ के क्लब में मारी एंट्री

ऋषभ शेट्टी की कांतारा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के बाद अब हिंदी व अन्य भाषाओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है. कन्नड़ भाषा में बनी फिल्म कांतारा को हिंदी समेत तमिल और तेलुगू में भी रिलीज किया जा चुका है. फिल्म हिंदी में भी शानदार कलेक्शन कर रही है और आने वाले दिनों में भी इसकी कमाई में बढ़त होने की उम्मीद है. हाल ही में बॉलीवुड की कोड नेम तिरंगा और डॉक्टर जी भी रिलीज हुई हैं, लेकिन उन दोनों के मुकाबले लोगों को कंतार की कहानी ज्यादा पसंद आई. फिल्म कांतारा के हिंदी संस्करण ने 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी और 1300 स्क्रीन की कम संख्या के बावजूद फिल्म ने शानदार शुरुआत की.

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने हिंदी पट्टी पर शुक्रवार को करीबन 1.2 करोड़ की कमाई थी. जबकि शनिवार को एडवांस बुकिंग में ही इसके 20 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके थे. वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 2.25 करोड़ का कारोबार किया है.

रिपोर्ट के अनुसार होम्बले प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और ऋषभ शेट्टी स्टारर और निर्देशित कांतारा को महज 16 करोड़ रुपए में तैयार किया गया है.

यह फिल्म हर भाषा में शानदार कमाई कर रही है. शनिवार कोसभी भाषाओं का कलेक्शन तकरीबन 13 करोड़ रहा. उम्मीद है की रविवार को फिल्म के कलेक्शन में बड़त देखने को मिलेगी. कांतारा की कहानी और इसके दृश्य ने लोगों को खासा आकर्षित किया हैं. सोशल मीडिया पर भी फिल्म लगातार ट्रेंड कर रही है. लिमिटेड रिलीज के बावजूद इसका शानदार कलेक्शन जारी है. यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस के अलावा वर्ल्ड वाइड भी धुआंधार कमाई कर रही है.

रिपोर्ट के मुताबिक कांतारा वर्ल्ड वाइड 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है. बता दें की कांतारा की कहानी पवित्र रीति-रिवाजों और परंपराओं, छिपे हुए खजाने और पीढ़ीगत रहस्यों पर आधारित है.

दिवाली में घर की सफाई के लिए अपनाएं ये टिप्स

इस बार दिवाली 24 अक्टूबर को है और लोग धन की देवी मां लक्ष्मी का अपने घर में स्वागत करने के लिए साफ-सफाई करने में जुटे हुए हैं। हालांकि, घर की साफ-सफाई करना चुनौतीपूर्ण कार्यों में शामिल है, लेकिन फिर भी आप कुछ सुझावों का पालन करते हुए इस काम को आसान बना सकते हैं। आइए आज हम आपको घर की साफ-सफाई का काम आसानी से निपटाने में मदद करने वाले कुछ टिप्स बताते हैं।

अलमारी की सफाई और कपड़ें व्यवस्थित करने से शुरुआत करें

दिवाली पर अपनी अलमारी को साफ करने और कपड़ों को फिर से व्यवस्थित करने का सही समय होता है। अपने सभी कपड़े और अन्य सामान निकालकर उन्हें अलग-अलग रख दें। इसके बाद अलमारी में कपड़ों की तय लगाएं और फिर उन्हें उचित क्रम में व्यवस्थित करें। इसी तरह अलमारी के बाकि सामानों को भी सही ढंग से रखें। ऐसे कपड़े या सामान दान करें जो आप इस्तेमाल नहीं करते हैं।

छत और फर्श को साफ करें

सबसे पहले अपने कमरे की छत, पंखे और लाइटों की सफाई करें और फिर फर्श की सफाई के लिए आगे बढ़ें। अपने कालीनों को वैक्यूम क्लीनर से साफ करें और फर्श को साफ करने के लिए इस पर झाड़ू लगाएं। इसके बाद सिरके और गर्म पानी के घोल से फर्श पर पोछा लगाएं, यह एक बेहतरीन कीटाणुनाशक उपाय है। साफ-सुथरा बाथरूम फर्श पाने के लिए बेकिंग सोडा या बाथरूम क्लीनर का उपयोग करें।

घर के दरवाजों और खिड़कियों को ऐसे करें साफ

अगर आप घर के खिड़की-दरवाजों को साफ करने में आप ज्यादा समय बर्बाद नही करना चाहते हैं तो इसके लिए आप एक क्लींनिंग सॉल्यूशन बना सकते हैं। क्लींनिंग सॉल्यूशन बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में तीन बड़ी चम्मच सफेद सिरका, आधा कप डिस्टिल्ड वॉटर और अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदों को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को किसी स्प्रे बोतल में डालें और जब खिड़की-दरवाजें गंदे लगें तो इसे छिड़ककर उनकी सफाई करें।

इस तरह से करें रसोई की स्लैब और सिंक की सफाई

सिर्फ दिवाली से पहले ही नहीं, समय-समय पर रसोई की स्लैब और सिंक की सफाई पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसा न करने पर रसोई में कीटाणुओं के पनपने की संभावना रहती है। रसोई की स्लैब को अच्छे से साफ करने के लिए पानी में एक बड़ी चम्मच क्लोरीन ब्लीच मिलाएं और फिर इससे स्लैब साफ करें। सिंक को साफ रखने के लिए नींबू के रस और बेकिंग सोडा के घोल का इस्तेमाल करें।

परदें, चादर और कुशन आदि की भी सफाई करें

अपने गद्दे, तकिये और कुशन को कीटाण मुक्त करने के लिए इन्हें कुछ देर धूप में रखें। इसके बाद, साफ कुशन कवर, तकिया कवर और चादर से इन्हें कवर करें। परदें, सोफा कवर और कुशन कवर को धो लें। अपने लिविंग रूम को खूबसूरत बनाने और इसमें फ्रेशनेस जोड़ने के लिए कुछ इनडोर प्लांट जैसे बैम्बू, इंग्लिश आइवी या स्नेक प्लांट लगाएं। इससे आपके लिविंग रूम का नजारा शानदार दिखाई देगा।

स्नीकर्स खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

सही चयन में मिलेगी मदद

अगर आप फुटवियर में स्नीकर्स पहनना पसंद करते हैं तो उनकी खरीदारी के दौरान कुछ बातों पर विशेष ध्यान दें। वैसे भी आजकल बाजार में स्नीकर्स के कई ब्रांड्स उपलब्ध हैं, लेकिन ब्रांड की चमक-दमक के बजाय यदि आप खुद पर ध्यान देंगे तो सही स्नीकर्स खरीद सकेंगे।

आराम पर दें ध्यान

■ स्नीकर्स खरीदते समय कई लोगों का ध्यान उनके डिजाइन और स्टाइल पर होता है। दरअसल, कई बार लोग सिर्फ स्नीकर्स की खूबसूरती देखकर उसे खरीद लेते हैं, लेकिन स्नीकर्स के पैटर्न के साथ-साथ उनका आरामदायक होना भी बहुत मायने रखता है।

■ अगर आप अपने स्नीकर्स में आरामदायक महसूस करेंगे तो आपको जल्द थकान महसूस नहीं होगी और आप अपने ज्यादातर काम को जल्द निपटा सकेंगे।

■ जब भी आप स्नीकर्स खरीदें तो आपके पैर की सबसे बड़ी उंगली और चुने गए जूते में हमेशा आधे से एक इंच का अंतर होना चाहिए। इससे उन्हें पहनते समय पैरों में समस्या नहीं होगी।

■ चलते या दौड़ते समय पैर का पंजा आगे की ओर मुड़ता है। यही कारण है कि स्नीकर्स के अंदर कुछ अतिरिक्त जगह की आवश्यकता होती है।इस अतिरिक्त जगह की वजह से आपको चलने में आराम महसूस होगा।

स्नीकर्स के सोल का पर ध्यान देना है जरूरी

स्नीकर्स खरीदते समय उनके सोल का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी होता है। अगर आपके स्नीकर्स के अंदर का सोल मुलायम नहीं होगा तो उन्हें पहनकर चलने से आपकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द होगा और आपको पैरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हमेशा मुलायम सोल वाले स्नीकर्स का ही चयन करें, ताकि आप बिना किसी दिक्कत के उन्हें पहनकर चल या दौड़ कर सकें।

विश्वसनीय ब्रांड के स्नीकर्स ही खरीदें

कई बार लोग सस्ते दाम देखकर लोकल ब्रांड के स्नीकर्स खरीदना बेहतर समझते हैं, लेकिन यह गलत है। इससे पैरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आपको ब्रांडेड और विश्वसनीय कंपनियों के स्नीकर्स ही खरीदने चाहिए। बड़ी कंपनियां इन्हें बनाने के लिए सभी नियमों का पालन करती हैं और उनकी टेस्टिंग भी की जाती है। जबकि लोकल स्नीकर्स को बनाने के दौरान ऐसा कुछ भी नहीं किया जाता।

ऐसे बढ़ाएं अपने स्नीकर्स की शेल्फ लाइफ

यह बहुत आसान काम है, क्योंकि इसके लिए आपको बस एक चीज की जरूरत होगी। दरअसल, स्नीकर्स की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए उनका ख्याल रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए अपने स्नीकर्स के ऊपर छह से बारह महीने में एक बार शू प्रोटेक्टर स्प्रे का इस्तेमाल करें। यह प्रोटेक्टर आपके स्नीकर्स के उपर एक प्रोटेक्टिव कोटिंग करेगा और जिसके कारण आपके स्नीकर्स खराब नहीं होंगे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

नए आश्रम भवन में बालिकाओं के प्रवेश पर ग्रामीणों में उत्साह

जगदलपुर। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा विकासखंड के माड़ क्षेत्र का गांव हर्राकोड़ेर गांव में बालिका शिक्षा को नया आयाम देने के लिए 50 सीटर बालिका आश्रम की सौगात मिली। सोमवार को जब अपने नए आश्रम में प्रवेश कर रही थीं तब उन बालिकाओं के साथ ही पालकों में भी खुशी की लहर दिखाई दी। माड़ के प्रवेश द्वार पर इंद्रावती नदी के तट पर बसा हर्राकोड़ेर अपनी सुरम्यता के लिए बरबस ही आकर्षित करता है। इस क्षेत्र की संवेदनशीलता के कारण कई समस्याएं भी हैं। शिक्षा के माध्यम से इन समस्याओं के समाधान के लिए शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बालिकाओं के शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में बालिकाओं को आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए बालिका आश्रम भवन बनाने का निर्णय भी लिया गया। क्षेत्र की संवेदनशीलता के कारण इस बालिका आश्रम के बनाने में भी बाधाएं आईं, किंतु शासन-प्रशासन के दृढ़ संकल्प के कारण इस भवन का निर्माण पूरा कर लिया गया। सोमवार को ग्राम के पुजारी, पटेल सहित ग्रामवासियों ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर बालिकाओं का प्रवेश आश्रम में कराया।

विकासखण्ड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर ग्राम महापल्ली में संपन्न

रायगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में तथा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत विकासखण्ड रायगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम महापल्ली में जिला आयुर्वेद अधिकारी, डॉ.मीरा भगत के मार्गदर्शन में 18 अक्टूबर को विकासखण्ड स्तरीय नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य संगीता गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुकेश गुप्ता, जनपद सदस्य अशोक निषाद, सरपंच ग्राम पंचायत महापल्ली अनंतराम चौहान, गणमान्य नागरिक महापल्ली टंकधर प्रधान, पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत महापल्ली, टेकचंद गुप्ता सरपंच ग्राम पंचायत लोइंग, सूरत पटेल तथा पूर्व जनपद सदस्य संतोष चौहान उपस्थित रहे।

शिवरीनारायण में उपन्यासकार ठाकुर जगमोहन सिंह के नाम पर बनेगा पुस्तकालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण नगर के रेस्ट हाउस में विभिन्न समाजों के प्रमुख और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर सामाजिक गतिविधियों और उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री का अन्य पिछड़ा वर्ग संगठन द्वारा ठेठरी-खुरमी सहित अन्य छत्तीसगढ़ी पकवानों से तौलकर उन्हें सम्मानित किया गया।

औषधी विक्रेता संघ की ओर से मुख्यमंत्री को छायाचित्र भेंट किया गया। सतनामी समाज नवागढ़ और पामगढ़ द्वारा देशभर में हुए सर्वे में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री बनने पर श्री भूपेश बघेल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने सामाजिक संगठनों के मुलाकात के दौरान विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की मांग पर एक करोड़ 60 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर उन्होंने शिवरीनारायण में उपन्यासकार ठाकुर जगमोहन सिंह के नाम पर पुस्तकालय बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ठाकुर जगमोहन सिंह प्रसिद्ध उपन्यासकार के साथ ही शिवरीनारायण के तहसीलदार भी रह चुके हैं। मुख्यमंत्री ने ठाकुर समाज द्वारा जांजगीर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने के लिए कलेक्टर को जगह का अवलोकन कर स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सिक्ख समाज को पामगढ़ विकासखंड के गुरूद्वारे में धर्मशाला निर्माण के लिए 20 लाख रूपए और घाट निर्माण की भी स्वीकृति दी।

इसी प्रकार स्वर्णकार समाज को सामुदायिक भवन के लिए 15 लाख रूपए, नायक बंजारा समाज को सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रूपए की मंजूरी दी। इसी प्रकार केशरवानी समाज की धर्मशाला उन्नयन के लिए 20 लाख रूपए, राहौद में देवांगन समाज की धर्मशाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण और केसला में शाकंभरी भवन के लिए 10-10 लाख रूपए, सतनामी समाज की मांग पर शिवरीनारायण में सामाजिक भवन और केंवट निषाद समाज के छात्रावास भवन के लिए 25-25 लाख रूपए, सत्गुरू सेवा समिति पामगढ़ को सांस्कृतिक भवन और मंच निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की मंजूरी दी। इस अवसर पर विधायक पामगढ़ श्रीमती इंदु बंजारे, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल श्री अटल श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने परशुराम चौक के नामकरण और गुरू घासीदास सतगंवा मेला समिति द्वारा मेला स्थल पर सौंदर्यीकरण की बात पर सहमति व्यक्त की। यादव समाज के भवन और स्कूल की मरम्मत और पामगढ़ ब्लॉक के रींवा गांव में पहुंच मार्ग सारथी समाज के लिए मुक्तिधाम निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कुर्मी समाज द्वारा सरदार पटेल चौक बनाने की मांग और राहौद को तहसील बनाने की मांग पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

डिजिटल भुगतानों पर लेनदेन शुल्क में छूट से डिजिटल भुगतानों को तेजी से अपनाने को प्रोत्साहन मिलेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि भारत को कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए तथा व्यापार तथा लघु उद्योग द्वारा एवं बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा डिजिटल भुगतान को तेजी से अपनाने के लिए, डिजिटल भुगतान पर लेनदेन शुल्क को सरकार द्वारा सीधे बैंकों को सब्सिडी देने की आवश्यकता है।

यह कहते हुए कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने एक व्यक्त में कहा कि डिजिटल और कैशलेस अर्थव्यवस्था पर सरकार एक डिजिटल पेमेंट प्रमोशन बोर्ड गठित करे। उन्होनें ने यह भी कहा नेशनल पेमेंट कॉउंसिल ऑफ़ इंडिया (एनपीसीआई) को यूपीआई, भीम आदि को ही चलाना चाहिए और पेमेंट इंडस्ट्री को मॉनिटर तथा रेगुलेट करने के लिए पृथक रूप से एक रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाई जाए। उन्होनें यह भी कहा कि जब सरकार द्वारा नीति के रूप में अनेक क्षेत्रों में खुला नेटवर्क बनाया जा रहा है तो पेमेंट इंडस्ट्री को भी खुला नेटवर्क दिया जाना चाहिए ताकि उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम सेवाएं मिल सके। उन्होनें ने कहा की यह आवश्यक है कि केंद्र सरकार डिजिटल भुगतानों पर लगाए जाने वाले लेनदेन शुल्क व्यापारी अथवा ग्राहकों की बजाय सीधे बैंकों को सरकार सब्सिडी दे।

कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने कहा कि डिजिटल भुगतान समाधान में भागीदार बने जो कैशलेस और डिजिटल में तेजी से विकास के लिए एक सहयोगी व्यवस्था बनाने के लिए काम करें । उन्होंने कहा कि व्यापारियों को शिक्षित करने और जागरूक करने और उन्हें अपने मौजूदा व्यवसाय प्रारूप में डिजिटल भुगतानों को अपनाने और उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने की बहुत आवश्यकता है क्योंकि डिजिटल भुगतान का अंतिम लाभ व्यापारियों पर निहित है, क्योंकि यह उपभोक्ताओं के लिए एकमात्र कनेक्टिंग पॉइंट है।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा कि एक सुदृढ़ अर्थव्यवस्था के लिए देश में हर पैसे के खर्च का विवरण होना जरूरी है । देश में दुकानों के डिजिटलीकरण से व्यापारियों की साख बढ़ेगी और बदले में वे एक आसान तरीके से अधिक औपचारिक वित्त प्राप्त करने के पात्र होंगे। व्यापारियों के लिए ऋण की पहुंच व्यापार के बेहतर विकास के परिणामस्वरूप होगी और अर्थव्यवस्था में पर्याप्त योगदान देगी। उन्होंने सरकार से डिजिटल लेनदेन पर लगाए गए बैंक शुल्क को माफ करने और सरकार से सब्सिडी की मांग की है, वे सीधे बैंकों से शुल्क लेते हैं। डिजिटल भुगतान क्षेत्र के लिए एक स्वतंत्र नियामक का गठन किया जाना चाहिए।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने आगे कहा कि देश में डिजिटल भुगतान को अपनाने और स्वीकार करने में लेन-देन शुल्क का वित्तीय बोझ डिजिटल पेमेंट को अपनाने में एक बहुत बड़ी बाधा है इस दृष्टि से सरकार ट्रांसक्शन शुल्क को सब्सिडी के माध्यम से सीधे बैंकों को दे दे तो देश में डिजिटल पेमेंट अप्रत्याशित रूप से बढ़ेगा। दूसरी तरफ यह अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को औपचारिक अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने में बड़ा सहायक होगा जिससे सरकार को आय कर एवं अन्य करों में भी बड़ी वृद्धि होगी। सरकार द्वारा मुद्रा की छपाई और उसकी सुरक्षा और लॉजिस्टिक पर प्रति वर्ष बड़ी राशि खर्च की जाती है।

बैंकों को लेनदेन शुल्क में सब्सिडी देने से सभी स्तरों पर डिजिटल भुगतान के व्यापक उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और नकदी के अधिक उपयोग को कम कर भारत को कम नकदी वाले देश में आसानी से परिवर्तित किया जा सकेगा जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल पेमेंट अपनाने के दृष्टिकोण को काफी हद तक पूरा कर सकेगा।

सभी प्रकार के डेबिट और क्रेडिट कार्ड, पीओएस टर्मिनल, एम-पी ओ एस, मोबाइल वॉलेट, मोबाइल एप्लिकेशन, क्यूआर कोड, यूपीआई और आधार सक्षम एप्लिकेशन सहित डिजिटल भुगतान के अन्य सभी तरीकों को प्रोत्साहन योजनाओं के दायरे में लाया जाना चाहिए। इस सम्बंध मे कैट ने पूर्व में भी सरकार से मांग की थी।

स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना का दायरा बढ़ाएं - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। कलेक्टर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एस जयवर्धन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम तथा राज्योत्सव की तैयारी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य, राजस्व, जनसंपर्क, कृषि एवं उद्यानिकी सहित सभी विभाग शासन की योजनाओं से संबंधित विकास प्रदर्शनी लगाएंगे एवं जनसामान्य को शासन की योजनाओं के संबंध में जानकारी देंगे। स्वास्थ्य विभाग अपने स्टाल में स्वास्थ्य जांच की भी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

राजस्व विभाग भुईयां पोर्टल के माध्मय से नामांतरण प्रक्रिया के सरलीकरण एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी का समावेश करें। उन्होंने राज्योत्सव के लिए पेयजल, विद्युत, साफ-सफाई, सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव में दूरस्थ अंचल से आने वाले आम जनता को शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने शासन के फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने चिटफंड कंपनी में निवेशकों की राशि वापस करने के लिए आवेदन लेने तथा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए कहा। उक्त बातें कलेक्टर श्री जयवर्धन ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कही।

कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि वनाधिकार पट्टा के अंतर्गत वनांचल के रहवासियों को भूमि स्वामी का अधिकार मिल जाएगा। इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए करें। आश्रम एवं छात्रावास के निरीक्षण का कार्य लगातार जारी रखें। मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना का दायरा बढ़ाते हुए इस दिशा में विशेष कार्य करने की जरूरत है। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक आम जनता को इस योजना से स्वास्थ्य सुविधाएं सहज उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि जिले में बैंकिंग सुविधाओं को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने मानपुर क्षेत्र में देवगुड़ी विकास के लिए आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त को निर्देशित किया। उन्होंने रूरल इंडस्ट्रियल पार्क एवं सी-मार्ट की तैयारी करने के लिए कहा।

गरीब जरूरतमंदों के साथ खुशियों की दीपवाली सप्ताह के प्रथम दिवस बच्चों, बुर्जगों, महिलाओं को जरूरत की सामग्री का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग द्वारा दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर पूरे दिनांक 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक अलग अलग स्थानों जिसमें वृद्धाआश्रम, अनाथ हॉस्पिटल बालआश्रम, बालसम्प्रेषण गृह, दुर्ग स्टेशन, समृद्धि बाजार के पास, बस स्टैंड एवं शहर के अन्य स्थानों में जीवन यापन कर रहे गरीब, असहाय, महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे जिनके पास या तो घर नही है या फिर भीख मांगकर फुटपात में रहे रहे है उन्हें नयी साड़ी, मिठाई, एवं बुजुर्गों को धोती, मिठाई का वितरण किया गया साथ ही साथ छोटे छोटे गरीब बच्चों को नये कपड़े, मिष्ठान, नमकीन, रंगीन फ्टाखे का वितरण करके खुशियों की दीपवाली सप्ताह बनाया जा रहा है, जिसमें आज प्रथम दिवस मंदबुद्धि स्नेह सम्पदा स्कूल, दुर्ग एवं मानवता स्कूल के बच्चों को सामग्री वितरण की गयी.

जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग का एक मात्र उदेश्य समाज के निराश्रित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी वह सुख सुविधाएँ पहुंचाने का प्रयास करना है, जिनसे अभी तक यह अछूता है, इन्ही बातों को आत्मसात करते हुए सभी के सहयोग से कोरोना महामारी के चलते आयी इस विकट परिस्थिति में भी हर जरूरतमंदों की हर सम्भव मदद करने का प्रयास संस्था द्वारा विगत 6वर्षों से किया जा रहा है। संस्था के सदस्य विगत 6 वर्षों से अपने सभी पर्व गरीब, असहाय, बुजुर्गों के साथ ही मना रहे है, दीपावली पर्व को भी संस्था के सभी सदस्यों ने गरीब, असहाय, बुजुर्गों, महिलाओं एवं छोटे बच्चों के साथ फ्टाके फेड़कर सभी को मिठाई एवं नये कपड़ों का वितरण करके मना रहे है..जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि प्रदेश एवं शहर के अधिकांश घरों में दीपावली पर्व में बिजली की चकाचौंध व्यवस्था है, और सभी लोग मिठाई, पकवान एवं पटाखों का आनंद लेते है, परन्तु प्रदेश एवं शहर में आज भी ऐसे गरीब परिवार एवं बच्चे है जो मिठाई खाना तो दूर मिठाई चखने से भी वंचित रह जाते है, और गरीब बच्चे आसमान में छूटने वाले पटाखों को देखकर ही खुश हो जाते है.. जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग द्वारा सभी के सहयोग से दीपावली पर्व के के पूर्व शहर के विभिन्न स्थानों में जाकर गरीब, असहाय परिवार, महिलाएं, बुजुर्गोम एवं बच्चों को साड़ी, धोती, बच्चों को नये कपडे, पटाखे एवं मिठाई का वितरण किया जा रहा है जिससे जिले के सभी लोग यह दीपावली अच्छे से मना सके, 19 अक्टूबर को संस्था के सदस्यों द्वारा जिले के महिला अनाथ हॉस्पिटल, कादम्बरी नगर, दुर्ग, मंदबुद्धि स्नेह सम्पदा स्कूल, दुर्ग एवं मानवता स्कूल, दुर्ग के छोटे बच्चों, महिलाओं, एवं गरीब परिवार को नये कपडे, साड़ी, नमकीन, बिस्किट, साबुन, निरमा, तेल, पेस्ट, कॉपी, पेन, पेंसिल, टीशर्ट, चॉकलेट का वितरण किया गया। अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि आज लगभग 150 से अधिक गरीब बच्चों, एवं 90 से अधिक महिलाओं को दीपावली के लिए जरूरत की सामग्री का वितरण किया गया, जिसे देखकर सभी बच्चे एवं बुजुर्ग महिलाएं अति उत्साहित होकर संस्था के सदस्यों को धन्यवाद दिए..

बदलता दन्तेवाड़ा: नई तस्वीर: पूना माड़ाकाल सेल ने किया सपनों को साकार

बढ़े रोजगार के अवसर आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे युवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिले में लोगों को रोजगारोन्मुखी अवसर प्रदान करने के लिए जिले के सभी विकासखंड स्तर पर पूना माड़ाकाल सेल का गठन किया गया है। इस सेल के तहत जो स्थानीय निवासी स्वरोजगार चाहते है, ऐसे इच्छुक हितग्राही आवेदन कर रोजगार प्राप्त कर सकते है।

जिले मे पूना माड़ाकाल सेल के तहत स्वरोजगार तथा रोजगार के अनगिनत अवसर प्रदान किया जा रहा है। आज के समय में स्वरोजगार बेरोजगारी दूर करने का अति उत्तम विकल्प है जिससे जिले की उन्नति भी हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों की सामाजिक आर्थिक दशा को सुधारने के लिए विशेष रूप से कार्य किये जा रहे है। इसी तरह जिले के समस्त विकासखण्ड पर गठित पूना माड़ाकाल सेल के तहत बेरोजगारों को सतत आजीविका उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे वे सामाजिक विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा दे। अब तक पूना माड़ाकाल सेल के तहत 3180 प्राप्त आवेदनों में से 941 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है।

2239 आवेदन पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। पात्र हितग्राहियों को उनकी मांग अनुसार कार्य जैसे मछली पालन हेतु बीज प्रदाय, सब्जी बीज प्रदाय, डबरी निर्माण, भूमि समतलीकरण, कुआं निर्माण, तालाब निर्माण, तार जाली, बोर खनन, बाड़ी विकास योजना तहत बोर खनन, सोलर पंप, सिलाई मशीन, स्वरोजगार हेतु ऋण प्रदाय, सब्जी दुकान, किराना दुकान, मुर्गी पालन, पशु शेड निर्माण, शामिल हैं। पूना माड़ाकाल सेल के माध्यम से नक्सल पीड़ित परिवारो को भी आजीविका के साधन उपलब्ध कराए जा रहे है। पीड़ितों के लिए ऐसी 33 योजनाए चिन्हित की गई है उन्हे राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई-श्रम कार्ड इत्यादि से लाभान्वित कराया जा रहा है। पूना माड़ाकाल सेल में मुख्यत: नलकूप खनन, तार फेंसिंग, बोर खनन, प्रिंकलर, सोलर पंप, बिजली कनेक्शन, बकरी पालन, पशु शेड, सूअर पालन, मुर्गी पालन, भूमि मरम्मत, भूमि समतलीकरण, इत्यादि के आवेदन प्राप्त किये गए है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान

रायगढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र, रायगढ़ में 2 से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता माह मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्वच्छता संबंधित जानकारी एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न कृषि अवशेषों को सूक्ष्मजीवों द्वारा सड़ाना, वर्मीकम्पोस्ट बनाना, कॉलेज एवं स्कूलों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम, किसानों के साथ गांव की साफ-सफाई, प्रायमरी स्कूलों एवं आंगनबाड़ी में विभिन्न विषयों जैसे-हाथ धोने, अपने आस-पास की सफाई की जानकारी एवं कार्यालय कैंपस की सफाई की जा रही है। अब धान की कटाई शुरू हो रही है, जिसका अवशेष (फ्लारी) किसानों द्वारा खेत में ही जला दी जाती है। जिससे मृदा स्वास्थ्य खराब एवं प्रदूषण होता है।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

गजदंत राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

दुकान के बाहर समान सजा कर रखने वालों से निगम ने वसूला जुर्माना

दुर्ग। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट में दीपावली त्योहार खरीददारी को देखते हुए आयुक्त लोकेश चंद्राकार के निर्देश पर इंदिरा मार्केट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए नगर निगम एवं यातायात पुलिस ने दुकान के बाहर समान सजाकर रखने वालों पर जुर्माना की कार्रवाई की। साथ ही दोबारा दुकान के बाहर सामान नही निकलने की सख्त चेतावनी दी गई। दीपावली से पहले लोग खरीददारी के लिए घरों से बाहर निकलते है,जिसके चलते सड़को पर भीड़भाड़ बढ़ जाती है और बाजार क्षेत्र में जाम लगने की समस्याएं बढ़ जाती है।त्योहारी सीजन के चलते शहर के बाजारों में जहां रौनक नजर आने लगी है, वहीं दुकानदारों की ओर से दुकानें के बाहर किए गए अतिक्रमण के चलते बाजार संकरे हो जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए कार्रवाही की गई।बाजारों में जगह-जगह दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर स्टॉल लगाए हैं। दुकानों के बाहर लगाए स्टॉलों के चलते लोगों का वहां हजूम एकत्रित हो जाता है। इसके चलते वाहन चालकों का निकलना तो दूर लोगों को पैदल तक गुजरने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तहसील कार्यलय एवं इंदिरा मार्केट क्षेत्र के दुकानदार द्वारा बाहर समान को अंदर करवाते हुए 5 दुकानदारो से संत रविदास शू सेंटर, सडक पर कब्जा 1000 रुपये, सी.जी. जूस एव फल सडक पर कब्जा 1000 रुपये, जी0एल0 पटवा सडक पर कब्जा 500,पारख इलेक्ट्रिकल सडक पर कब्जा 500 रुपये एवं सुनील सोनकर सडक पर कब्जा 500 रुपये कुल 3500 रुपये जुर्माना लिया गया।कार्रवाही के मौके पर अतिक्रमण प्रभारी शिव शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी थानसिंह यादव, शशिकान्त यादव, ईश्वर वर्मा सहित यातायात पुलिस बल मौजूद रहें।

अस्पताल में बिना टेंडर कराया जा रहा था काम निर्माणाधीन दीवार गिरने से मजदूर की मौत

कोरबा (ए)। कोरबा स्थित एसईसीएल केंद्रीय अस्पताल में निर्माणाधीन दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद मजदूर दीवार के नीचे दब कर घायल हो गया, लेकिन उसे उपचार तक नहीं दिया गया। किसी तरह साथी मजदूर उसे ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां बुधवार देर शाम उसने दम तोड़ दिया। आरोप है कि बिना टेंडर के ही यह निर्माण कार्य कराया जा रहा था। मामला बाकी मोगरा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मार्ग दर्ज कर जांच की बात कही है।

बताया जा रहा है कि अस्पताल के ही एक कर्मचारी ने दोनों मजदूरों को 400 रुपए प्रतिदिन की मजदूरी पर रखा था। यह काम बिल सेक्शन से संबंधित कर्मचारी ही गोपनीय तरीके से करा रहा था। इसकी जानकारी अधिकारियों को भी नहीं थी। हॉस्पिटल के क्लर्क दीपक जोशी ने बताया कि घटना की जानकारी उसे पता नहीं है। बाद में पता चला की मलबे में दबने से मजदूर की मौत हुई है। मजदूर पहले भी घर का काम कर चुका था, इसलिए बुलाया गया, लेकिन कब काम करने आए इसकी जानकारी नहीं है। अस्पताल प्रबंधन का सहायता नहीं करने का आरोपसाथी मजदूर मनहरण दास ने बताया कि अस्पताल के पीछे एक जर्जर भवन है। उसकी ही मरम्मत का काम चल रहा था। तभी दीवार का एक हिस्सा गिर गया। अगर समय रहते उसका उपचार विभागीय अस्पताल में होता तो जान बच सकती थी। हादसे के बाद अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई सहायता नहीं दी गई और ना ही काम कराने वाले कर्मचारी ने रुचि दिखाई। खंभन दास के बेटे राजेश ने बताया कि उसे फोन पर हादसे की जानकारी मिली थी। इससे ज्यादा नहीं पता।

अस्पताल ने नहीं किया भर्ती

जानकारी के मुताबिक, कटाइनार निवासी खंभन दास दिवाकर और मनहरण दास एसईसीएल अस्पताल की मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान दीवार का एक हिस्सा गिर गया। उसकी चपेट में आने से खंभन दास दिवाकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि अस्पताल में हुए हादसे के बावजूद उसे उपचार नहीं मिला। उसे विभागीय अस्पताल ले गए, लेकिन खंभन दास को भर्ती नहीं किया गया। इसके बाद उसे जिला अस्पताल लेकर गए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

साइकिल सवार से मोबाइल छीनने वाले 2 नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राह चलते व्यक्ति का मोबाइल छीनकर फरार 2 नाबालिगों को तेलीबांधा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी सहदेव महिलांगे ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दोपहर में अपनी सायकल से घर से कांकेर रोडवेज सिविल लाईन अपने मोबाईल फोन में बात करते जा रहा था। इसी दौरान तेलीबांधा तालाब पास आनंद नगर सिग्नल तेलीबांधा से पहले एक्टिवा सवार दो अज्ञात व्यक्ति प्रार्थी के पीछे से आकर उसके मोबाईल फोन को छीनकर फरार हो गये। जिस पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 657/22 धारा 356, 379 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ करते हुए आसपास के लोगों से भी पूछताछ किया गया। घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों के अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी अज्ञात आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किये जा रहे थे।

इसी दौरान अज्ञात आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई तथा घटना में संलिप्त विधि के साथ संघर्षरत 2 बालक को गिरफ्तार किया गया। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर टीम के सदस्यों द्वारा पूछताछ करने पर दोनों के द्वारा उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। जिस पर दोनों के कब्जे से चोरी की मोबाईल फोन एवं घटना में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन को जप्त कर कार्यवाही किया गया। दोनों से इस प्रकार की अन्य घटनाओं के संबंध में भी विस्तृत पूछताछ की जा रहीं है।

दशगात्र से लौट रहे पिता-पुत्र को ट्रेलर ने रौंदा

बाइक सवार 1 की मौत, 2 घायल डेंजर पॉइंट पर हो चुके हैं 7 हादसे

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सड़कों की बदहाली वाली जनहित याचिका पर बुधवार को नेशनल हाईवे की तकनीकी खामियों पर सुनवाई चल रही थी, जिस सड़क की गड़बड़ियों को लेकर न्यायमित्रों ने रिपोर्ट प्रस्तुत किया है। उसी जगह पर बुधवार को फिर से एक हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने यहां बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी, जिससे पिता की मौत हो गई। वहीं बेटा और रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने यहां चक्काजाम भी कर दिया। पूरा मामला कोनी थाना क्षेत्र के सेंदरी नेशनल हाईवे का है।

जानकारी के अनुसार तखतपुर क्षेत्र के घुटेली निवासी रामकिशुन साहू (60) किसान थे। बुधवार की सुबह वे सीपत क्षेत्र के सेलर में रहने वाले रिश्तेदार के घर दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। सेलर से वे अपने रिश्तेदार के यहां सेंदरी जाने के लिए निकल गए। उनके साथ उनका बेटा भास्कर साहू और रिश्तेदार मेलऊराम साहू भी बाइक में सवार थे। तीनों दोपहर में सेंदरी से गांव जाने के लिए निकले थे। सेंदरी के को-ऑपरेटिव सोसायटी के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

पिता की मौत, बेटा और रिश्तेदार गंभीर

इस हादसे में बाइक सवार रामकिशुन साहू को गंभीर चोट आई। वहीं, बाइक चला रहे बेटे भास्कर और रिश्तेदार मेलऊराम साहू भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सिर पर चोट लगने के कारण रामकिशुन की मौके पर ही मौत हो गई।

नाराज ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, बोले आए दिन हो रहे हादसे

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। नाराज ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया और नेशनल हाईवे में आने-जाने वाले गाड़ियों को रोक दिया। देखते ही देखते बिलासपुर रतनपुर रोड में दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। इसकी सूचना पुलिस को मिली, तब पुलिस ने ग्रामीणों को समझाइश दी। नाराज ग्रामीण यहां अंडरब्रिज बनाने की मांग करते रहे। उनका कहना था कि आए दिन यहां हादसा होता है। फिर भी प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। पुलिस अफसरों ने ग्रामीणों को समझाइश देते हुए शांत कराया। साथ ही अंडरब्रिज बनवाने के लिए अफसरों से बात करने की बात कही, तब जाकर ग्रामीण शांत हुए।

थम नहीं रही वन्य जीवों की तस्करी, 3 पेंगोलिन तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद (ए)। प्रदेश में वन्य जीवों की तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला गरियाबंद जिले का है, जहां पुलिस की टीम ने तस्करों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से संकटग्रस्त प्रजाति की श्रेणी में शामिल पेंगोलिन (सालखपरी) को बरामद किया है। पेंगोलिन का वजन 12 किलो के आसपास है और इसकी कीमत लगभग 6 लाख रूपए बताई जा रही है।

दरअसल, पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि तीन लोग वन्यजीव पेंगोलिन (सालखपरी) को अवैध रूप से बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश में नगरी (धमतरी) क्षेत्र से गरियाबंद की ओर आ रहे हैं। उक्त मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। जिसके बाद टीम ने भुतेश्वरनाथ मंदिर रोड छिंदीला तिराहा पारागांव के पास नाकाबंदी की। कुछ समय बाद तीन लोग बाइक पर सवार होकर आए. जिनकी पुलिस ने मुखबीर द्वारा बताए हुलिए के आधार पर पहचान की। नाम पूछने पर तीनों ने अपना नाम क्रमशः खुमान लाल कंवर (मगरलोड, धमतरी) और रमेश कुमार (नगरी, धमतरी), रूपेश कुमार साहू (राजिम, गरियाबंद) बताया। तलाशी लेने पर पुलिस ने आरोपियों के पास से पेंगोलिन बरामद किया।

बिलासपुर में विसर्जन शोभायात्रा पर पथराव के आरोपियों का पुलिस ने निकाला जुलूस

बिलासपुर (ए)। दुर्गा माता विसर्जन शोभायात्रा के दौरान आगे बढ़ने की होड़ में दो पक्ष के बीच हुए विवाद के बाद पथराव और तोड़फोड़ के मामले में फरार तीन आरोपितों को पुलिस और एसीसीयू की टीम ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने नाबालिग समेत करीब 20 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

कोतवाली थाना प्रभारी प्रदीप आर्य ने बताया कि छह अक्टूबर की शाम शहर में विराजित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा था। यह सिलसिला दूसरे दिन सुबह तक चला। सात अक्टूबर की सुबह चिंगराजपारा के मां आदर्श दुर्गोत्सव समिति के सदस्य रिवर व्यू रोड होकर सिम्स चौक पहुंचे। इसी दौरान कुदुदंड के शिव दुर्गोत्सव समिति के सदस्य भी विसर्जन शोभायात्रा को लेकर सिम्स चौक पहुंच गए। आगे बढ़ने को लेकर दोनों पक्ष के बीच विवाद हो गया। इस दौरान नवीन तिवारी और उसके साथियों ने चिंगराजपारा के दुर्गोत्सव समिति के सदस्यों और उनके वाहनों में पथराव किया।

इसके बाद सुबह छह बजे से चिंगराजपारा के युवकों ने कुदुदंड के युवकों और उनके वाहनों में पथराव कर मारपीट की। दोनों पक्ष ने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में की। इस पर पुलिस ने हत्या के प्रयास, बलवा समेत अन्य धाराओं के तहत जुर्म दर्ज कर आरोपित की धरपकड़ शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इसमें नाबालिग भी शामिल थे। वहीं, नवीन तिवारी(32) निवासी कुदुदंड, पंकज कुमार मिरे(26) निवासी राजघराना कोलानी उसलापुर, मनीष वर्मा(26) निवासी आनंद नगर उसलापुर फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। मंगलवार की रात पुलिस ने उनके ठिकाने पर दबिश देकर फरार आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस कार्रवाई हो रही थी लीक

घटना के बाद विसर्जन यात्रा के दौरान सुरक्षा को लेकर पुलिस पर सवाल उठाने लगे। सुबह से घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया में प्रसारित होने लगा। इस पर एसपी पार्स्ल माथुर ने आरोपित की पहचान कर उनके खिलाफकड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर नाबालिग समेत 20 युवकों को गिरफ्तार किया। इधर फरार नवीन तिवारी के संपर्क में पुलिस के जवान भी थे। एसीसीयू में पदस्थ जवान फरार आरोपित को पुलिस की गतिविधियों की जानकारी दे रहे थे।

आरोपित का निकाला जुलूस, पैदल पहुंचाया कोर्ट

विसर्जन शोभायात्रा के दौरान हुए पथराव के बाद पुलिस सक्रिय हो गई थी। पुलिस ने डेढ़ दर्जन से अधिक आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस दौरान उनका सदर बाजार स्थित घटना स्थल के पास जुलूस भी निकाला। बुधवार को फरार आरोपित की गिरफ्तारी के बाद भी पुलिस तीनों आरोपित को उसी रास्ते से पैदल कोर्ट तक लेकर गई।

खुद को एसीबी का अफसर बताकर होमियोपैथी छात्रा से की 9 लाख की ठगी, सरकारी नौकरी लगाने का दिया था झांसा

बिलासपुर। रेकी सेंटर का संचालक ने खुद को एंटी करप्शन ब्यूरो का अफसर बताकर होम्योपैथी की एक छात्रा से 9 लाख की ठगी की। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के पहले से कई मामले दर्ज है। सभी मामलों में नौकरी का झांसा कॉमन प्वाइंट हैं। फिलहाल इस मामले में सिविल लाइन पुलिस ने अपराध दर्ज फर्जी एसीबी के अफसर की तलाश शुरू कर दी है।

सिविल लाइन पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मयूरगंज ओडिशा निवासी पल्लवी पांडा पिता

हेमंत कुमार (28) बिलासपुर में BHMS (होम्योपैथी) की पढ़ाई कर रही है। बीते पांच सालों से छात्रा यहां पर रहकर पढ़ाई कर रही थी। इस दौरान वह नेहरू नगर स्थित श्रीशंकर रेकी सेंटर में रेकी विद्या सीखने जाती थी। इस दौरान रेकी सेंटर के संचालक थालेश्वर प्रसाद शर्मा ने छात्रा को बताया कि व एंटी करप्शन ब्यूरो का अधिकारी और किसी की भी सरकारी नौकरी लगवा सकता है।

छात्रा थालेश्वर प्रसाद के झांसे में आ गई। थालेश्वर ने इसके लिए 15 लाख की डिमांड रखी तो छात्रा ने 9 लाख रुपए दे दिए। कई दिनों तक कोई रिस्पांस नहीं मिला। छात्रा ने जब संपर्क किया तो उसने फोन उठाना भी बंद कर दिया। छात्रा ने पता साजी की तो पता चला कि वह इस प्रकार झांसा देकर कई लोगों को ठग चुका है। इसके बाद छात्रा ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। सिविल लाइन पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी डॉक्टर इससे पहले भी एक कॉलेज संचालक के परिवार के सदस्य को नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी कर चुका है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा लगाये जा रहे है शिविर

दुर्ग। प्रदेश का एक चिकित्सा महाविद्यालय जो आम जनता में स्वस्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए लगातार ऐसे कार्यक्रम और कैंप का आयोजन कर रहा है और इससे अंचल के रोगियों में अपने स्वस्थ के प्रति नव चेतना का प्रसार होता स्पष्ट दिखाई दे रहा है। इसी तारतम्या में इस संस्थान ने कई शिविर लगाए जिसमें 19 अक्टूबर को कोहका में कैम्प चल रहा है। इसी क्रम में 08 सितंबर को कुरुद मे 175 मरीज, 12 सितंबर को ननकट्टी में 25, 20 सितंबर को जेवरा सिरसा मे 50, 23 सितंबर को बैकुंठ धाम मे 60, 27 सितंबर को वैशाली नगर में 30, 28 सितंबर को बैकुंठ धाम में 20, 03 अक्टूबर को कुरुद में 60, 08 अक्टूबर को जेवरा सिरसा मे 73, 11 अक्टूबर को नगपुरा में 44, 12 अक्टूबर को बैकुंठ धाम में 76, 17 अक्टूबर को कचांदुर में 131 लोगों का जांच किया गया। चिकित्सा महाविद्यालय के इस प्रयास से अंचल की जनता में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जागृत हुई है।

निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण हेतु आवेदन 31 अक्टूबर तक

दुर्ग। भारतीय थल सेना में अग्निवीरों एवं नर्सिंग असिस्टैंड की भर्ती हेतु रैली का आयोजन 01 दिसंबर से 13 दिसंबर 2022 तक पं. रविशंकर शुल्क स्टेडियम दुर्ग में किया जायेगा। अग्निवीर भर्ती रैली आयोजन के पूर्व एक सप्ताह का नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण जिले के तीनों विकासखण्डों में दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। इस प्रशिक्षण में केवल वे आवेदक ही भाग ले सकते है जिसने इंडियन आर्मी के वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया हो। आवेदन पत्र के साथ पावती संलग्न करना अनिवार्य है। अत: इच्छुक आवेदक 31 अक्टूबर 2022 तक अपना आवेदन डॉक माध्यम से अथवा स्वयं उपस्थित होकर जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, मालवीय नगर चौक दुर्ग में जमा कर सकते हैं। आवेदन का प्रारूप हेतु दुर्ग जिले के वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

सूचना का अधिकार पर 21 अक्टूबर को कार्यशाला

दुर्ग। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के संबंध में 21 अक्टूबर को पीडब्ल्यूडी के सभाकक्ष में दोपहर 12 बजे से जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जनसूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को कार्यशाला में अधिनियम की विभिन्न प्रावधानों की बारीकियां बताई जायेंगी। मुख्य सूचना आयुक्त एम.के.राऊत प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। कार्यशाला में राज्य सूचना आयुक्त अशोक अग्रवाल, मनोज त्रिवेदी, धनवेन्द्र जायसवाल और आयोग के संयुक्त संचालक धनंजय राठौर, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों के संबंध में जनसूचना अधिकारी और प्रथम अपीलीय अधिकारियों को जानकारी देंगे। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने जिले के सभी जनसूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को सूचना आयोग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में हिस्सा लेने के निर्देश दिये हैं। मुख्य राज्य सूचना आयुक्त और आयुक्तगण जनसूचना अधिकारी और प्रथम अपीलीय अधिकारी की सूचना का अधिकार अधिनियम से सम्बंधित समस्याओं का समाधान करेंगे और जनसूचना अधिकारी और प्रथम अपीलीय अधिकारियों के प्रश्नों का जवाब देंगे।

बिहान बाजार का शुभारंभः दीवाली के लोकल आइटम्स का रहेगा खास आकर्षण, पहले ही दिन जमकर हुई खरीदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जनपद पंचायत परिसर में बिहान बाजार का शुभारंभ हुआ। बिहान बाजार में इस मौके पर खास तौर पर स्थानीय दीवाली आइटम्स की धूम है। इसमें डिजाइनर दीये, गोबर के दीये, दीपावली की पूजन सामग्री आदि अपने खास अंदाज में बनाये गये हैं और बहुत सुंदर लग रहे हैं। बिहान बाजार के शुभारंभ के मौके पर मुख्य अतिथि महापौर श्री धीरज बाकलीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज मैंने बिहान बाजार का अवलोकन किया।

दीवाली की इतनी सुंदर सामग्री इन्होंने तैयार की है। बाजार में परंपरागत चीजें इतने खूबसूरत रूप में सजी मैंने बाजार में कभी नहीं देखी। बिहान बाजार के माध्यम से हमारी समूह की महिलाओं की कलाकृति, उनके हुनर को बाजार मिल रहा है।

पहले भी दीवाली पर बिहान के बाजार लगे हैं और बड़ी संख्या में इसमें जो खरीदी हुई है उससे लगता है कि अपने परंपरागत चीजों के लिए हमारे उपभोक्ताओं के मन में गहरी जगह है।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शालिनी यादव ने कहा कि पहले कभी भी छत्तीसगढ़ आईटम ऐसे बाजारों में नहीं सजते थे। अब ये आइटम बाजार में हैं और लोग जमकर खरीद रहे हैं। समूह की हमारी महिलाओं ने गिफ्ट पैक में छत्तीसगढ़ी व्यंजन परोसे हैं। ये बड़ी बात है। हम लोग अपने त्योहारों पर अपने व्यंजनों को गिफ्ट में दे रहे हैं। हमारा भिलाई तो लघु भारत है। जब हम ऐसे गिफ्ट अपने पड़ोसियों को देंगे तो उन्हें भी हमारी संस्कृति के बारे में जानकारी मिलेगी और इससे हमारी खानपान की विविधता के बारे में भी लोग जान सकेंगे। उल्लेखनीय है कि दीवाली के मौके पर सजावट सामग्री जिसमें अनेक तरह के झूमर आदि भी हैं डिस्प्ले किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि लगभग 50 समूहों के स्टाल लगाये गये हैं। गोबर के दीये बनाये गये हैं और इन्हें सुंदर डिजाइनर तरीके से सजाया गया है। जिला पंचायत सीईओ श्री अश्विनी देवांगन ने अतिथियों को विस्तार से बाजार के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर जितेंद्र साहू,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती योगिता चंद्राकर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती झमिता गायकवाड़, जनपद पंचायत सदस्य हेमकुमारी देशमुख, सरस्वती सेन, डिप्टी कलेक्टर जागेश्वर कौशल एवं अन्य अतिथि मौजूद रहे

गोदना आर्ट को कपड़ों में रही उकेर, इसकी बड़ी डिमांड

गोदना आर्ट को कुथरेल की मातृशक्ति समूह की महिला कपड़ों में उकेर रही हैं। इसकी बड़ी डिमांड बाजार में हैं। समूह की दीदी ने बताया कि गोदना आर्ट जब कपड़ों में उतरता है तो बहुत खूबरत लगता है और खुशी की बात यह है कि इसकी डिमांड भी आ रही है।

दीवाली पूजा के शापिंग के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं

जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने बताया कि कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में हमने समूह की दीदियों की मदद से बिहान बाजार में इस तरह की वस्तुएं रखी हैं कि दीवाली के त्योहार के लिए और पूजा के लिए कोई भी सामग्री चूक न जाए और हर सामग्री बिहान बाजार में मिल जाए। अच्छी बात यह है कि उत्पाद अपने डिस्प्ले और गुणवत्ता में भी बहुत अच्छे हैं।

पटाखे व खिलौने भी पहुंचा सकते हैं बच्चों की आंखों को नुकसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विगत दिनों चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृत्ति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में विश्व दृष्टि दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यशाला व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता, डॉ . पी. के पात्रा व अध्यक्ष अस्पताल अधीक्षक, डॉ . अतुल मनोहरराव देशकर थे। कार्यक्रम में बच्चों की आँखों की देखभाल व नवजात शिशुओं की नेत्र-रक्षा सम्बंधी जानकारी दी गई। इस विषय पर नेत्र-रोग विभाग की विभागध्यक्ष, डॉ. लिपी चक्रवर्ती ने बच्चों की आंखों में सफेद प्रतिबिंब के कारणों जैसे अनुवांशिक मोतियाबिंद, ट्यूमर रेटिनोब्लास्टोमा,रेटिनोपैथी आफ़ प्रीमैच्यूरीटी के बारे में बताया। उन्होंने प्रदर्शन कर समझाया कि किस तरह सामान्यजन, अभिभावक व अस्पतालकर्मी नवजात का दृष्टि परीक्षण टॉर्च एवं अन्य आसान तरीकों से कर सकतें हैं और आई ड्रॉप को सही विधि से डाल सकतें हैं।

शिशु रोग विभागध्यक्ष, डॉ. ओमेश खुराना ने दो वर्ष तक बच्चों को मोबाइल नहीं देखने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने बच्चो के लिए माता-पिता को सर्वदा मुलायम खिलौने खरीदना, पटाखों से दूरी रखना,जन्मदिन-केक पर स्पार्कलर कैंडल का प्रयोग न करने के बारे में जागरूक किया। स्त्री-रोग विभागय्यक्ष डॉ.अंजना चौधरी ने समय से पहले जन्म लेने वाले नवजात शिशुओ की आँखों की बिमारियों का गर्भवस्था में पहचान व उनके निदान के बारे में बताया। इस कार्यशाला में अस्पताल के विभागाध्यक्ष, नर्सिंग इन्चार्ज सिस्टर्स व इंटर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में विषय सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी स्पर्धा आयोजन कर, आकर्षक पुरुस्कार दिए गये।

नाली के उपर अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण पर निगम की बड़ी कार्रवाई, 500 मीटर में खाली कराया कब्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के वैशालीनगर जोन क्षेत्र अंतर्गत आज अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण के खिलाफसख्ती से कार्रवाई की गई। अम्बेडकर नगर के सड़क 2 में कई रहवासियों ने नाली के उपर अवैध अतिक्रमण करते हुए निर्माण कर लिया था।

जिसके चलते नाली सफाई में बाधा उत्पन्न हो रही थी, वही सड़क की चौड़ाई कम होने से आवागमन करने वालो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अतिक्रमण के चलते नाली की सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़को पर बहने लगा था, इसकी शिकायतें की कई लोगों ने निगम में की थी।

जिसको लेकर आज भिलाई निगम की टीम ने अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण को तोड़ते हुए नाली से कब्जा मुक्त कराया। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अवैध निर्माण, अवैध अतिक्रमण एवं अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध सख्त कारवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है। आज प्रात: अम्बेडकर नगर सड़क 2 में निगम की टीम जब कार्रवाई करने पहुँची तो कई लोगो ने नाली के उपर पेवर ब्लाक, वाहन पार्किंग के लिए निर्माण, फैसिंग निर्माण कर लिया था।

जिसे निगम की राजस्व टीम ने तोड़ कर स्थल को कब्जा मुक्त कराया। लगभग 500 मीटर लम्बी नाली से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जेसीबी एवं डंपर की सहायता से की गई। आज की कार्रवाई में जोन आयुक्त पुजा पिल्ले, सहायक राजस्व अधिकारी जगदीश तिवारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा आदि मौजूद रहे।

शहर सौंदर्यीकरण को लेकर निगम आयुक्त रोहित व्यास ने किया निरीक्षण

प्रमुख चौंक-चौराहो में पहुंचकर देखी प्रोग्रेस, बेहतर प्लानिंग कर कार्य को मूर्त रुप देने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर सौंदर्यीकरण को लेकर निगम आयुक्त रोहित व्यास ने कई स्थानों का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होने प्रमुख चौक-चौराहो में पहुंचकर कार्य की प्रगति भी देखी, नेहरू नगर चौंक में सौदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिसके लिए चौंक में लैण्डस्केपिंग का कार्य करते हुए कारपेट घॉस एवं आर्कषक दिखने वाले पौधे लगाये गये है, वही इन चौराहो के खंभो की पेटिंग की गई है।

लाईटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है, यह चौंक अब पहले से सुन्दर नगर आयेगा। हजारो लोग प्रतिदिन इस चौराहे से गुजरते है, पहले इस चौराहे के खंभो में अवैध पोस्टर चिपके हुए मिलते थे। जिसे निगम ने हटाकर सौंदर्यीकरण का

काम किया है। नेहरू नगर चौंक के समीप डिवाइडर में आर्कषक हेज भी रोपित किये जायेगे, वही डिवाइडर को एक अलग लुक दिया जायेगा। आयुक्त श्री व्यास ने नेहरू नगर जी.ई.रोड के समीप के उद्यानों का भी निरीक्षण किया, उन्होने इसके वार्षिक रखरखाव एवं संधारण कराने के निर्देश दिये। नेहरू नगर डिवाइडर से लेकर के.पी.एस. चौंक होते हुए सूर्या मॉल चौंक तक आकर्षक लाईट लगाने के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश दिये। ताकि दिन के अलावा रात्रि में भी यह सड़क आर्कषक लगे और राहगिरो को भी सुविधा मिले। नेहरू नगर के गुमटी वाले क्षेत्र को व्यवस्थित करते हुए पेवर ब्लाक भी लगाया जायेगा। इसकी भी प्लानिंग के निर्देश आयुक्त ने मौके पर दिये है।

उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल शहर के विकास को लेकर बेहद गंभीर है। उन्होने अपनी महापौर निधि से शहर सौंदर्यीकरण के कई कार्य कराने की स्वीकृति प्रदान की है, जिसके चलते शहर के कई प्रमुख मार्ग अलग ही स्वरूप में नजर आयेंगे, सौंदर्यीकरण को लेकर इसकी विभागीय प्रक्रिया भी जल्दी पूरी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, उप अभियंता अर्पित बंजारे व स्वेता वर्मा मौजूद रही।

टीएल बैठक में शिकायतों के निराकरण को लेकर आयुक्त ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त कक्ष में को शाम साप्ताहिक समयावधि पत्रों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस दौरान लापरवाही बरतने पर कार्रवाई के लिए भी आयुक्त ने कहा है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई व पीजीएन समाधान के लंबित प्रकरणों का निराकरण अधिकारी प्राथमिकता से करें। आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों से सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई, समयसीमा, पीजीएन,1100 निदान कलेक्टर जनचौपाल सहित लंबित शिकायतों पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि सभी विभाग लक्ष्य निर्धारित कर त्वरित गति से शिकायतों का निराकरण करें। कोई भी प्रकरण लंबित न हो एवं हर विभाग में सभी स्तर की शिकायतों का एक पृथक रजिस्टर हो ऐसा सुनिश्चित करें।शिवनाथ नदी के आस पास रहने वालों को नोटिस जारी कर वहाँ से सभी को हटवाए।गौठान निर्माण के लिए कहा कि गौठान के निर्माण कार्य धीमी है इस पर नाराजगी जताई।

गौठान के अधूरे कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए निर्देश अधिकारियो को दिए।उन्होंने पट्टा से संबंधित कितने हितग्राहियो को पट्टा मिल गया है उसकी जानकारी मांगी।ठगड़ा बांध निर्माण कार्यो को जल्द प्लानिंग कर कार्यो को आगे बढ़ाए।उन्होंने कहा कि कलेक्टर के निर्देश पर सी मार्ट का काम को तत्काल करवाए । उन्होंने कहा कि शहर में बहुत ज्यादा पॉलीथिन दिख रहा है।

शहर विकास के लिए महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में महापौर परिषद ने कई विकास कार्यों को दी मंजूरी

भिलाई में स्मार्ट सड़कों का होगा निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास तथा अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में कई महत्वपूर्ण कार्यों की स्वीकृति महापौर परिषद ने दी है और कई महत्वपूर्ण विषयों को अंजाम देने चर्चा की है। इसी के तहत भिलाई में वातानुकूलित बस स्टॉप बनाया जायेगा जो कि सर्वसुविधा युक्त होगा।

हुडको मैदान का होगा कायाकल्प, करोड़ों की लागत से होंगे इस मैदान में विकास कार्य

इसके लिए प्राइवेट एजेंसी को निगम केवल स्थान देगा और पूरा काम एजेंसी विज्ञापन बोर्ड आदि लगाने के एवज में करेगी। नेशनल हाईवे के किनारे के स्थल को प्राथमिकता देते हुए स्थान का चयन किया जा रहा है। वातानुकूलित बस स्टॉप बन जाने से अवैध कब्जे से भी मुक्ति मिलेगी वहीं राहगीरों को गर्मी के दिनों में पसीना नही बहाना पड़ेगा। महापौर ने इसके लिए शीघ्र ही स्थल चयन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है ताकि आने वाले दिनों में लोगों को इसका लाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त सबसे महत्वपूर्ण कार्य सड़कों की दिशा में होगा। भिलाई में स्मार्ट सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 10 स्थानों पर स्मार्ट सड़क बनाए जाएंगे, इन सड़कों की खासियत यह होगी कि इनमें रोड मार्किंग, केट आई, शोभायमान व आकर्षक पौधे, रोप लाइट एवं रेक्टोरिफ्लेक्टिव बोर्ड लगाए जाएंगे। बीएसपी के 10 प्रमुख सड़कों का चयन स्मार्ट सड़क बनाने के लिए किया गया है। वही पटरीपार के सभी मुख्य सड़कों के सौंदर्यीकरण करने के लिए पहले ही महापौर परिषद ने स्वीकृति दे दी है। महापौर के चलते दोनों ही क्षेत्रों में विकास कार्य प्रमुखता से हो रहे हैं। इसके साथ ही हुडको के दशहरा मैदान में भव्य डोम शेड का निर्माण होगा तथा मैदान में विकास कार्य किया जाएगा। हुडको के इस मैदान में चैनलिंक फेंसिंग, शौचालय, घास तथा हाई मास्क लाइट लगाए जाएंगे।

इससे हुडको क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी। हुडको का यह मैदान प्रवेश करते ही दिख जाता है अब इस मैदान का शीघ्र ही कायाकल्प होगा तथा मैदान एक अलग स्वरूप में नजर आएगा, जिससे भिलाई वासियों को तथा स्थानीय रहवासियों को भरपूर लाभ मिलेगा। वार्ड क्रमांक 48 जोन क्रमांक 3 में शौचालय निर्माण की स्वीकृति भी एमआईसी ने दी है इसके साथ ही शिवाजी नगर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 51 शहीद वीर नारायण सिंह नगर में स्थित मंगल भवन के संचालन/प्रबंधन एवं संधारण के लिए ऑफर दर इच्छुक व्यक्तियों से मंगाए जाएंगे। वार्ड क्रमांक 5 बांबे आवास पीडीएस भवन के सामने की रिक्त भूमि को सुरक्षित करने चैनलिंक फेंसिंग कार्य के लिए महापौर परिषद ने सर्वसम्मति से हरी झंडी दिखाई है। आज की महापौर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में सीजू एंथोनी, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, साकेत चंद्राकर, मालती ठाकुर, केशव चौबे, आदित्य सिंह, मीरा बंजारे, रीता सिंह गेरा, लाल चंद वर्मा, चंद्रशेखर गवई एवं मन्नान गफ्फार खान मौजूद रहे।

त्योहारी सीजन को देखते हुए निगम ने कसी कमर

दुकान के बाहर समान सजा कर रखने वालों को सख्त चेतावनी के साथ जुर्माना की कार्रवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट में दीपावली त्योहार खरीददारी को देखते हुए आयुक्त लोकेश चंद्राकार के निर्देश पर इंदिरा मार्केट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए आज नगर निगम एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाही करते हुए दुकान के बाहर समान सजाकर रखने वालों पर जुर्माना की कार्रवाही की गई ।साथ ही दोबारा दुकान के बाहर सामान नही निकलने की सख्त चेतावनी दी गई।

दीपावली से पहले लोग खरीददारी के लिए घरों से बाहर निकलते है,जिसके चलते सड़को पर भीड़भाड़ बढ़ जाती है और बाजार क्षेत्र में जाम लगने की समस्याएं बढ़ जाती है।त्योहारी सीजन के चलते शहर के बाजारों में जहां रौनक नजर आने लगी है, वहीं दुकानदारों की ओर से दुकानें के बाहर किए गए अतिक्रमण के चलते बाजार संकरे हो जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए कार्रवाही की गई।बाजारों में जगह-जगह दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर स्टॉल लगाए हैं। दुकानों के बाहर लगाए स्टॉलों के चलते लोगों का वहां हजूम एकत्रित हो जाता है। इसके चलते वाहन चालकों का निकलना तो दूर लोगों को पैदल तक गुजरने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तहसील कार्यलय एवं इंदिरा मार्केट क्षेत के दुकानदार द्वारा बाहर समान को अंदर करवाते हुए 5 दुकानदारो से संत रविदास शू सेंटर, सडक पर कब्जा 1000 रुपये,सी0जी0 जूस एव फ्ल सडक पर कब्जा 1000 रुपये, जी0एल0 पटवा सडक पर कब्जा 500,पारख इलेक्ट्रिकल सडक पर कब्जा 500 रुपये एवं सुनील सोनकर सडक पर कब्जा 500 रुपये कुल 3500 रुपये जुर्माना लिया गया।कार्रवाही के मौके पर अतिक्रमण प्रभारी शिव शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी थानसिंह यादव,शशिकान्त यादव,ईश्वर वर्मा सहित यातायात पुलिस बल मौजूद रहें।महापौर धीरज बाकलीवाल ने सभी दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि दुकान के बाहर समान फैलाकर और दुकान के बाहर समान निकालकर व्यवसाय न करें और व्यापारी पार्किंग और सुरक्षा के लिहाज से व्यवस्था बनाए रखने में सभी सहयोग करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950